हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 231, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 7 फरवरी, 2022 दिन सोमवार | गाजीपुर/वाराणसी

नहीं रहीं सुरों की देवी लता मंगेशकर

अंतिम दर्शनों को लगा लोगों का तांता, प्रधानमंत्री-राष्ट्रपति व तमाम राजनेताओं समेत देशवासियों की आंखें हुईं नम

नई दिल्ली। लता मंगेशकर के निधन से आज पूरा देश गमगीन है। अपनी आवाज के जरिए गीतों में जान फूंकने वाली लता मंगेशकर के निधन के साथ एक स्वर्णीम युग का भी अंत हो गया है। उनकी आवाज का जादू हमेशा देशवासियों पर राज करता रहेगा। उनके निधन पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और पीएम नरेन्द्र मोदी ने दुख व्यक्त किया है। उनके निधन पर केंद्र सरकार ने दो दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। पीएम नरेन्द्र मोदी ने अपने ट्वीट में उनके निधन को अपूर्णीय क्षति बताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनके अंतिम दर्शनों के लिए मुंबई जा रहे हैं। उनका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ शिवाजी पार्क में शाम साढ़े छह बजे किया जाएगा। ये इत्तफाक ही है कि जिस गीत ए मेरे वतन के लोगों, ने उन्हें एक नई पहचान दी थी उसको लिखने वाले कवि प्रदीप का आज जन्मदिन भी है। आज ही लता स्वर्ग के लिए प्रस्थान कर गईं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि गायिका लता मंगेशकर के सम्मान में राज्य सरकार कल (7 फरवरी) आधे दिन का शोक मनाएगी।

अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि लता जी खुद अमर हैं और उनकी ही तरह उनके गाने भी अमर हैं। 80 सालों तक लता जी ने अपने गानों से देश की सेवा की है। लता जी को जितने खिताब दिए गए, मुझे लगता है कि उन खिताबों ने नहीं बल्कि लता जी ने उन्हें लेकर उनखिताबों की शोभा बढ़ाई है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि जब तक भारतीय गीत संगीत लोगों का मनोरंजन करेगा तब तक लता दीदी की आवाज भी सुनी जाती रहेगी। देश की लगभग हर भाषा में गीत गाकर उन्होंने अपनी आवाज के माध्यम से देश को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया। मेरी परमपिता परमात्मा से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और उनके परिजनों को ये असीम दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

बृहन्मुंबई नगर निगम आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज शाम लगभग 5:45-6:00 बजे अंतिम संस्कार के मैदान में पहुंचेंगे, जिसके बाद लता मंगेशकर का अंतिम संस्कार शाम लगभग 6:15- 6:30 बजे किया जाएगा। लता मंगेशकर को आखिरी अलविदा कहने के लिए सदी के महानायक अमिताभ बच्चन उनके घर प्रभुकुंज पहुंच गए हैं। अमिताभ बच्चन के साथ उनके बेटी श्वेता बच्चन भी प्रभुकुंज पहुंची हैं। लता मंगेशकर का पार्थिव शरीर ब्रीच कैंडी अस्पताल से उनके घर प्रभुकुंज पहुंचने के बाद उनके घर लोगों का तांता लग गया। लता मंगेशकर के अंतिम दर्शन के लिए लगातार लोग उनके घर पहुंच रहे हैं। लता मंगेशकर का पार्थिव शरीर ब्रीच कैंडी अस्पताल से घर ले जाया जा रहा है । उनके अंतिम दर्शन के लिए सचिन तेंदुलकर, महाराष्ट्र के सीएम समेत अन्य नेता भी अस्पताल पहुंचे हैं। अस्पताल से उनका घर दस मिनट की दूरी पर है। ब्रीच कैंडी से लेकर उनके घर और फिर शिवाजी पार्क तक एक ग्रीन कारिडोर बनाया गया है, जिससे उनकी अंतिम यात्रा में कोई परेशानी न आए। इस दौरान कोरोना प्रोटोकाल का भी पालन किया जाएगा। उनकी अंतिम यात्रा की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। शिवाजी पार्क में भी तैयारी जोरों पर हैं। लोगों की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की गई है। गौरतलब है कि भारत सरकार ने 1987 में लता मंगेशकर को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वर्ष 2001 में उन्हें राष्ट्र के लिए उनके योगदान के लिए भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। वो इस सम्मान को पाने वाली एमएस सुब्बुलक्ष्मी के दूसरी महिला गानयिका हैं। इसके अलावा फ्रांस ने भी उन्हें वर्ष 2007 में अपने सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार आफ द लीजन आफ आनर से सम्मानित किया था।

बता दें कि लता मंगेशकर को 8 जनवरी को कोरोना पाजीटिव पाए जाने के बाद मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके इलाज के दौरान कई बार हालात सामान्य हुए तो कई बार गंभीर भी हुए। बीच में हालत में सुधार होने के बाद उन्हें वेंटिलेटर से हटा दिया गया था। उनका इलाज कर रहे डाक्टरों के मुताबिक, लता मंगेशकर का निधन रविवार सुबह 8:12 मिनट पर मल्टी आर्गन फेल्योर की वजह से हो गया।

पीएम मोदी ने अपने ट्वीट में लिखा कि लता दीदी के गानों ने कई तरह के इमोशन्स को उभारा। उन्होंने दशकों तक भारतीय फिल्म जगत के बदलावों को करीब से देखा। फिल्मों से परे, वह हमेशा भारत के विकास के बारे में भावुक थीं। वह हमेशा एक मजबूत और विकसित भारत देखना चाहती थी। मैं इसे अपना सम्मान मानता हूं कि मुझे हमेशा लता दीदी से अपार स्नेह मिला है। उनके साथ मेरी बातचीत अविस्मरणीय रहेगी। लता दीदी के निधन पर मुझे अपने साथी भारतीयों के साथ शोक है। उनके परिवार से बात की और संवेदना व्यक्त की। शांति।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने अपने ट्वीट में लिखा एक कलाकार का जन्म लेकिन सदियों में एक बार, लता-दीदी एक असाधारण इंसान थीं, जो गर्मजोशी से भरी हुई थीं, जैसा कि मैं उनसे जब भी मिलती थी। दिव्य आवाज हमेशा के लिए शांत हो गई है लेकिन उसकी धुन अमर रहेगी, अनंत काल तक गूंजती रहेगी। उनके परिवार और हर जगह प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं। लता जी का निधन मेरे लिए हृदयविदारक है, जैसा कि दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए है। उनके गीतों की विशाल श्रृंखला में, भारत के सार और सुंदरता को प्रस्तुत करते हुए, पीढ़ियों ने अपनी आंतरिक भावनाओं की अभिव्यक्ति पाई। भारत रत्न, लता जी की उपलब्धियां अतुलनीय रहेंगी।

महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे ने भारत रत्न लता मंगेशकर के निधन पर दुख व्यक्त किया, उनका कहना है कि इस खबर से उनका दिल टूट गया। मुख्यमंत्री कार्यालय का कहना है कि लता मंगेशकर का राजकीय अंतिम संस्कार किया जाएगा।

राहुल गांधी ने अपने ट्वीट में कहा कि लता मंगेशकर जी के निधन का दुखद समाचार प्राप्त किया। वह कई दशकों तक भारत की सबसे प्रिय आवाज बनी रहीं। उनकी सुनहरी आवाज अमर है और उनके प्रशंसकों के दिलों में गूंजती रहेगी। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं।

नितिन गडकरी ने अपने ट्वीट में लिखा कि मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल पहुंच कर स्वर कोकिल भारत रत्न लता मंगेशकर जी के अंतिम दर्शन किए। उनके परिवार को सांत्वना दी। लता दीदी हमेशा हम सभी के लिए प्रेरणा बनी रहेंगी। ईश्वर पुण्यात्मा को शांति प्रदान करे। ॐ शांति।

गडकरी ने लता के निधन पर सिलसिलेवार कई ट्वीट किए हैं जिनमें उन्होंने कहा है सब देशवासियों की तरह मेरे लिए भी उनका संगीत बहुत ही प्रिय रहा है, मुझे जब भी समय मिलता है मैं उनके द्वारा गाए गए नगमें जरूर सुनता हूं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे और परिजनों को संबल दे। ॐ शांति।

30 हजार से अधिक गाने गाकर उनकी आवाज ने संगीत की दुनिया को सुरों से नवाजा है। लता दीदी बेहद ही शांत स्वभाव और प्रतिभा की धनी थी। देश की शान और संगीत जगत की शिरमोर स्वर कोकिला भारत रत्न लता मंगेशकर जी का निधन बहुत ही दुखद है। पुण्यात्मा को मेरी भावभीनी श्रद्धांजलि। उनका जाना देश के लिए अपूरणीय क्षति है। वे सभी संगीत साधकों के लिए सदैव प्रेरणा थी।

अरविंद केजरीवाल ने अपने ट्वीट में लिखा कि भारत की स्वर कोकिला महान लता मंगेशकर जी का निधन भारत में संगीत के एक युग की समाप्ति है। उनकी सुरीली आवाज हम सबके बीच और पूरी दुनिया में सदा अमर रहेगी।प्रभु से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें। ओम शांति

राहुल गांधी पर हमले की कोशिश : लुधियाना में कांग्रेस नेता पर एनएसयूआई कार्यकर्ता ने फेंका झंडा, बाद में बोला-गलती हो गई

हलवारा (पंजाब)। पीएम नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में सेंध मामले पर उठे विवाद के बाद रविवार को एक बार फिर पंजाब में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए। रविवार को

हलवारा से लुधियाना जाते समय कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर एक युवक ने झंडा फेंक कर मारा। हमला करने वाले युवक की पहचान जम्मू कश्मीर से एनएसयूआई संगठन के नदीम खान के तौर पर हुई है। नदीम को थाना दाखा के एसएचओ पूछताछ के लिए ले गए हैं। उसके साथ कुल 6 युवकों से भी एसएचओ दाखा पूछताछ कर रहे हैं। नदीम ने अपनी गलती की माफी मांगी है। नदीम का कहना है कि वह हर जगह राहुल गांधी के स्वागत के लिए जाते हैं। आज गलती से ये घटना हो गई। राहुल गांधी रविवार को लुधियाना में कांग्रेस के अगले सीएम चेहरे का एलान करने पहुंचे हैं। वे दोपहर साढ़े 12 बजे हलवारा एयरफोर्स स्टेशन पहुंचे। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, पार्टी प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू, पूर्व प्रधान सुनील जाखड़, पार्टी के पंजाब प्रभारी हरीश चौधरी, श्री फतेहगढ़ साहिब से सांसद डॉ. अमर सिंह बोपाराय, मंत्री भारत भूषण आशु, रायकोट से पार्टी प्रत्याशी कामिल अमर सिंह बोपाराय ने उनका स्वागत किया। इसके बाद राहुल का काफिला लुधियाना के लिए रवाना हुआ। एयरफोर्स स्टेशन हलवारा से लुधियाना हयात रीजेंसी होटल जा रहे राहुल गांधी की गाड़ी पर हर्षिला रिसोर्ट के सामने एक युवक ने कांग्रेस पार्टी का झंडा दे मारा जो सीधा राहुल गांधी के मुंह पर लगा। इसके बाद राहुल गांधी बुरी तरह घबरा गए। कार को सुनील जाखड़ चला रहे थे और मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और पार्टी प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू पिछली सीट पर बैठे थे। वहीं इस घटना के बाद सुरक्षा में तैनात तमाम अधिकारियों के हाथ पांव फूल गए।

क्रिकेटर सुरेश रैना के पिता का निधन, कैंसर पीड़ित त्रिलोक चंद रैना ने घर पर ली अंतिम सांस

लखनऊ। क्रिकेट के तीनों फार्मेट में शतक लगाने का गौरव प्राप्त करने वाले सुरेश रैना के पिता त्रिलोक चंद रैना का रविवार को निधन हो गया। लम्बे समय से कैंसर से पीड़ित त्रिलोक चंद रैना की तबीयत दिसंबर से काफी खराब हो गई थी। सुरेश रैना गाजियाबाद में अपने निवासी में ही पिता की सेवा में लगे थे। बीमार चल रहे कश्मीरी पंडित त्रिलोक चंद रैना ने रविवार को दिन में गाजियाबाद के राजनगर में अपने आवास पर अंतिम सांस ली। उनके निधन पर क्रिकेट जगत काफी शोकाकुल है। त्रिलोकचंद रैना भारतीय सेना में आर्डिनेंस फैक्ट्री में कार्यरत रहे। उनका पैतृक गांव केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के रैनावारी में है। 1990 के दशक में कश्मीरी पंडितों की हत्या के बाद उनके पिता ने गांव छोड़ दिया था। इसके बाद यह लोग गाजियाबाद के मुरादनगर आ गए। उनके दो पुत्र दिनेश तथा सुरेश और दो पुत्रियां हैं। सुरेश रैना ने तीन अप्रैल 2015 को प्रियंका से शादी की। उनकी एक बेटी और एक बेटा है। कश्मीरी पंडित त्रिलोक चंद रैना काफी मेहनतकश शख्स थे। कम वेतन के बाद भी उन्होंने बच्चों को अच्छी परिवरिश दी। सुरेश रैना प्रतिभाशाली क्रिकेट खिलाड़ी थे। उनके पिता के पास

उनको महंगी क्रिकेट अकादमी में भेजने के लिए पर्याप्त धन नहीं थी। उन्होंने बेटे का दाखिला 1998 में लखनऊ के गुरु गोबिंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में दाखिला लिया। इसके बाद उनके बेटे ने उनको गौरवांवित किया। सुरेश रैना ने 18 टेस्ट मैच, 226 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच, 70 अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेलने के साथ चेन्नई सुपर किंग्स तथा गुजरात लांस से आइपीएल में 205 मैच खेले हैं।

यूपी, दिल्ली सहित कुछ राज्यों में आज से खुलेंगे स्कूल

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामले धीरे-धीरे कम हो रहे हैं। पिछले 24 घंटे में संक्रमितों की तुलना में स्वस्थ होने वाले मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। इसे देखते हुए कई राज्यों ने स्कूल को फिर से खोलने का निर्णय लिया है। इनमें मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे राज्य शामिल हैं। यूपी और दिल्ली में भी कल यानी 7 फरवरी से स्कूल खुलेंगे। बिहार में स्कूल खोलने को लेकर आज निर्णय लिया जाएगा। कोरोना वायरस की रफ्तार कम होने के बाद अब प्रदेश सरकार ने सोमवार से कक्षा नौ से लेकर इंटरमीडिएट तक के सभी माध्यमिक स्कूल, विश्वविद्यालय और डिग्री कालेजों को खोलने का फैसला किया है। अभी तक यहां आनलाइन कक्षाएं चल रही थी, लेकिन अब कोरोना प्रोटोकाल का पालन करते हुए भौतिक रूप से कक्षाएं शुरू की जाएंगी। अभी कक्षा एक से लेकर कक्षा आठ तक के सभी प्राइमरी स्कूल बंद रहेंगे। अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी की ओर से सोमवार से सभी माध्यमिक स्कूलों और विश्वविद्यालय व डिग्री कालेजों को खोलने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि कोविड प्रोटोकाल के साथ सोमवार से कक्षा नौ से लेकर इंटरमीडिएट तक के सभी स्कूल और डिग्री कालेज खोले जाएंगे। अभी प्राइमरी कक्षाएं इसलिए नहीं खोली गई हैं क्योंकि

संक्रमण कम होने के बावजूद छोटे बच्चों को इससे बचाना जरूरी है। दिल्ली के स्कूल खोले जा रहे हैं लेकिन उन्हें चरणबद्ध तरीके से खोला जाएगा। यानी सभी क्लासेस के लिए स्कूल एकदम से न खोलकर एक-एक करके खोले जाएंगे। इससे स्कूलों में भीड़ कम होगी। सबसे पहले 7 फरवरी से क्लास नौंवी से लेकर बारहवीं तक के स्कूल खुलेंगे। दिल्ली के डिप्टी चीफ मिनिस्टर मनीष सिसौदिया ने घोषणा की है कि यहां की नर्सरी से लेकर आठवीं क्लास तक के स्कूल 14 फरवरी से खोले जाएंगे। आज दिल्ली में डीडीएमए और दिल्ली सरकार की मीटिंग दोबारा से हुई। इस मीटिंग के बाद कई बड़े फैसले आए हैं उनमें से स्कूलों को खोलने को लेकर भी घोषणा की गई है। सात फरवरी से क्लास नौ से बारह के स्कूल खुलेंगे लेकिन इनकी ऑनलाइन क्लासेस भी बंद नहीं की जाएंगी। इस प्रकार जो छात्र जैसे चाहे वैसे माध्यम का चुनाव करके स्कूल ज्वॉइन कर सकता है।

बिहार में कोरोना संक्रमण को लेकर लगाई गई पाबंदियों पर बड़ा फैसला लिया गया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि कक्षा 8वीं तक के स्कूल 50 फीसद क्षमता के साथ और कक्षा 9 और उससे ऊपर की कक्षाओं के सभी स्कूल, कॉलेज और कोचिंग संस्थान 100 फीसद क्षमता के साथ फिर से खुलेंगे। सिनेमा हॉल, क्लब, जिम, स्टेडियम, स्विमिंग पूल, रेस्तरां 50 फीसद क्षमता के साथ संचालित होंगे।

पीएम मोदी की ओर से मुख्तार अब्बास नकवी ने अजमेर शरीफ दरगाह में चढ़ायी 'चादर'

जयपुर। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने रविवार को अजमेर के दरगाह शरीफ ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के 810वें वार्षिक उर्स के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 'चादर' चढ़ायी। इस अवसर पर नकवी ने कहा कि पीएम मोदी की सूफियों की सोच, संतों के संस्कार और समाज के समावेशी सशक्तीकरण का संकल्प ही हिंदुस्तान को विश्व गुरु बनाने का मजबूत मंत्र देता है। उन्होंने इस दौरान कहा कि आज आठवीं बार मैंने प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से यहां चादर पेश की है। नकवी ने बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों को पीएम के सन्देश को पढ़कर भी सुनाया। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा भेजी गई 'चादर' का वहां मौजूद लोगों ने पूरे सम्मान के साथ स्वागत किया और ख्वाजा गरीब नवाज के दरबार में पेश की। एक अधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में कहा कि, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के 810वें उर्स पर विश्व भर में उनके अनुयायियों को बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं। पीएम मोदी ने अपने सन्देश में कहा कि, गरीब नवाज के आदर्शों एवं

विचारों से कई पीढ़ियों को निरंतर प्रेरणा मिलती रहेगी। समरसता और भाईचारे की मिसाल का यह उत्सव हमेशा श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास को और प्रगाढ़ बनाएगा। उन्होंने कहा कि इसी विश्वास के साथ ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती के वार्षिक उर्स के अवसर पर मैं दरगाह अजमेर शरीफ से देश की खुशहाली और समृद्धि की कामना करता हूं।

जन चौपाल में प्रधानमंत्री मोदी बोले- उत्तर प्रदेश में पहले घर से निकलने में लगता था डर, अब अपराधी कांपे थर-थर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 में भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीसरी जन चौपाल में स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त करने के साथ ही उत्तर प्रदेश के विकास पर चर्चा की। पीएम मोदी ने रविवार को बिजनौर, मथुरा, आगरा तथा बुलंदशहर के 21 विधानसभा क्षेत्र के मतदातओं से संवाद किया। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ताजनगरी आगरा से जुड़े। पीएम मोदी का फोकस पहले चरण में 11 जिलों के 58 विधानसभा क्षेत्र के मतदादातओं पर है। जिनसे उन्होंने तीन जन चौपाल में संवाद कर लिया है। पहले चरण में दस फरवरी को मतदान होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश तो भारत का दिल है। उत्तर प्रदेश तो देश के लोगों को रास्ता दिखा रहा है। इसी कारण उत्तर प्रदेश का सबसे तेज विकास सबसे बड़ा मुद्दा है। यूपी ने देश को हमेशा दिशा दिखाई है। इस बार यहां के चुनाव में सबसे बड़ा मुद्दा 'विकास का है। उत्तर प्रदेश की जनता ने यह तय कर दिया है कि इस बार चुनाव में सबसे बड़ा मुद्दा एक ही है और वो है उत्तर प्रदेश का विकास और पिछले पांच वर्ष में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने दिखा दिया है कि अगर कोई उत्तर प्रदेश का विकास कर सकता है तो वह भाजपा की डबल इंजन की सरकार है। उत्तर प्रदेश देश को नया रास्ता दिखा रहा है। राज्य के लोगों ने दो टूक कह दिया है कि धन दौलत, बाहूबल, जातिवाद, परिवारवाद और संप्रदायवाद के दम पर कितनी ही राजनीति कर लें, लेकिन वो

जनता का प्यार नहीं पा सकते हैं। जनता का आशीर्वाद तो उसे ही मिलेगा जो सच्चे मन से उत्तर प्रदेश के लोगों की सेवा करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ब्रज की पुण्य धरती को मेरा नमन है। उत्तर प्रदेश देश की धड़कन है। मथुरा तथा आगरा को लेकर उन्होंने कहा कि ब्रज भूमि का कण कण श्रीकृष्ण और राधा रानी मय है। मथुरा, आगरा तथा बुलंदशहर के क्रांतिकारियों ने देश स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वोच्चय बलिदान दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिखा दिया है कि उत्तर प्रदेश का विकास कोई कर सकता है, तो वह भाजपा है। पिछली बार जब में मथुरा आया, ब्रज क्षेत्र में गया, वह प्यार कभी भूल नहीं सकता हूं। हमारी सरकार मथुरा को वैश्विक पहचान दिलाने का प्रयास कर रही है। प्रदेश सरकार ने ब्रज तीर्थ विकास परिषद का गठन किया है। जो ब्रज को भूले बैठे थे, उनको अब सपने में भगवान कृष्ण की याद आने लगी है। जो पहले सरकार में थे, उनका एजेंडा उप्र को लूटने का रहा है। उन्हें उप्र के विकास से कोई वास्ता नहीं है। सिर्फ सरकार बनाने से मतलब रहा है। पिछली सरकार में अपराधियों के हौंसले इतने बुलंद थे कि हाईवे पर गाड़ियों रोककर लूट, बहन, बेटियों से क्या होता था। बुलंदशहर के लोग ये अच्छे से जानते हैं। घर, दुकानों पर कब्जे होना आम बात थी। लोग घर छोड़कर पलायन को मजबूर होते थे। आगरा के दंगों में आरोपियों के सिर पर किसका हाथ था, ये आप जानते हैं। पहले की सरकार का भय निर्माण करना काम था। अब रिकार्ड हाईवे बन रहे हैं और लोग निडर होकर सफर कर रहे हैं। अब बेटी घर से बाहर निकल रही हैं और उसके भविष्य के लिए अच्छे कालेज बन रहे हैं।

चुनाव आयोग ने राज्यों को दिए निर्देश, स्टार प्रचारकों को मुहैया कराई जाए पर्याप्त सुरक्षा

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने कहा है कि जिन पांच राज्यों में चुनाव चल रहे हैं, वहां पर सभी राजनीतिक दलों के स्टार प्रचारकों को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराई जाए। दो दिन पहले ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एआइएमआइएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की कार पर फायरिंग किए जाने की घटना सामने आई थी। बता दें कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, पंजाब और मणिपुर में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को लिखे पत्र में चुनाव आयोग ने कहा, 'हमें बताया गया है कि पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों के दौरान स्टार प्रचारकों की सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जा रहे हैं। स्टार प्रचारक चुनाव प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा हैं और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने के लिए उनकी सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है।' आयोग ने कहा, 'हमने इसका संज्ञान लिया है और फैसला किया है कि राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त स्टार प्रचारकों को चुनाव के दौरान राज्य के भीतर पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी।' पत्र में किसी घटना विशेष का उल्लेख तो नहीं है, लेकिन इन निदेर्शों को ओवैसी पर हुए हमले से जोड़कर देखा जा रहा है। ओवैसी की पार्टी तेलंगाना में मान्यता प्राप्त

राजनीतिक दल है। स्टार प्रचारकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके, इसके लिए राजनीतिक दलों को उनकी यात्रा योजना और रूट चार्ट सहित अन्य जानकारी मुख्य निर्वाचन अधिकारी और संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ साझा करनी होगी। राज्य और जिलास्तर पर नोडल अधिकारी स्टार प्रचारकों की सुरक्षा की निगरानी करेंगे। पत्र की प्रति सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय दलों को भेजी गई है।

चिंतन मनन

एमएसपी का मुद्दा

केंद्र सरकार ने विधानसभा चुनावों के बाद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कमेटी बनाने की घोषणा की है। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्यसभा को बताया कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद एमएसपी पर एक समिति की घोषणा की जाएगी। उन्होंने यह दोहराया कि सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल नवंबर में तीन कृषि कानूनों को रद्द करने की घोषणा करते हुए कहा था कि एमएसपी पर कानूनी गारंटी के लिए किसानों की मांग पर चर्चा करने के लिए एक समिति का गठन किया जाएगा। तोमर ने कहा, पूरा देश जानता है कि प्रधानमंत्री ने फसल विविधीकरण, प्राकृतिक खेती और एमएसपी को प्रभावी व पारदर्शी बनाने के लिए समिति के गठन की घोषणा की है। सरकार पीएम द्वारा की गई घोषणा के लिए प्रतिबद्ध है। मामला मंत्रालय के विचाराधीन है और समिति की घोषणा विधानसभा चुनाव के बाद की जाएगी। एमएसपी की मांग को लेकर किसानों ने एक साल लंबा आंदोलन चलाया था और अब एमएसपी की मांग पूरी न होने को लेकर फिर से आंदोलन की बात कर रहे हैं। मगर अब कृषि मंत्री के ऐलान के बाद एमएसपी का मुद्दा पीछे छूटेगा और चुनाव के बाद किसानों की वर्षों पुरानी मांग का समाधान हो जाएगा। देखा जाए तो किसानों की यह मांग कम जटिल मुद्दा नहीं है। अगर मामला आसान होता तो तीनों कृषि कानून वापस लेने की घोषणा के साथ ही सरकार एमएसपी पर भी कोई फैसला कर सकती थी। इससे समझा जा सकता है कि एमएसपी को लेकर सरकार कितनी दुविधा में होगी। दरअसल, एमएसपी का मसला ऐसा है जिस पर कृषि विशेषज्ञ और अर्थशास्त्रियों के बीच भी आमराय आसानी से नहीं बनती दिखती। जहां एक वर्ग का मानना है कि एमएसपी कानून बनने से ही छोटे किसानों को उपज का लाभ मिल पाएगा, वहीं ऐसा नहीं मानने वाला वर्ग कहीं ज्यादा बड़ा है। जाहिर है, एमएसपी का मुद्दा आसानी से नहीं हल नहीं होने वाला। सरकार के सामने व्यावहारिक समस्या यह है कि अगर एमएसपी कानून बन गया तो उसके लिए किसानों की उपज खरीदने की मजबूरी हो जाएगी। यह तर्क भी दिया जा रहा है कि एमएसपी कानून बन जाने के बाद अगर सरकार ने व्यापारियों को तय दाम पर उपज खरीदने के लिए मजबूर किया तो व्यापारी कम दाम पर आयात करने जैसा कदम उठा सकते हैं। संकट यही है कि जब सरकार पूरी उपज खरीद नहीं सकती, व्यापारी निर्धारित एमएसपी पर उपज खरीदने से बचेंगे, तो किसान करेगा क्या? हालांकि एमएसपी की व्यवस्था देश में छठे दशक के दौरान खाद्यान्न संकट के दौरान शुरू की गई थी, ताकि सरकार किसानों से उपज खरीदे और भंडार भरे। यह किसानों के हित के लिए ही किया गया था। पर आज सरकारी गोदाम गेहूं, चावल आदि से अटे पड़े होने का दावा किया जा रहा है। बात यहीं खत्म नहीं होती। विश्व व्यापार संगठन खाद्यान्न खरीद पर सब्सिडी का विरोध करता रहा है। ऐसे में अगर सब्सिडी बढ़ती रही तो निर्यात का संकट खड़ा हो जाएगा। कहा यह भी जाता रहा है कि एमएसपी से छोटे और सीमांत किसानों को कोई लाभ नहीं होता है, सिर्फ पांच-छह फीसद बड़े किसान ही इसका फायदा उठाते हैं। इससे तो एमएसपी व्यवस्था की प्रासंगिकता पर ही सवाल खड़ा हो जाता है। इस बात से कोई इनकार नहीं करेगा कि किसानों को उपज का पूरा दाम मिलना चाहिए। अगर मौजूदा व्यवस्था से समाधान नहीं निकल रहा है तो इसके लिए नए उपायों पर विचार किया जाना चाहिए। एमएसपी संकट का हल तो कृषि विशेषज्ञों, कृषि अर्थशास्त्रियों और किसान संगठनों के नुमाइंदों की समिति को ही खोजना होगा। प्रधानमंत्री इस मसले पर समिति बनाने की बात कह चुके हैं। दरअसल, पूरी दुनिया में कृषि और कृषि बाजार का स्वरूप बदल रहा है। हम बाजार आधारित वैश्विक अर्थव्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में वक्त के साथ बदलने की जरूरत है। सबसे बड़ी बात तो यही कि जो भी कदम उठाए जाएं, वे मुट्ठीभर किसानों के हितों के लिए नहीं हो, बल्कि अस्सी फीसद से ज्यादा छोटे और मझोले किसानों के हितों को पूरा करने वाले हों।

हो रहा प्रचार !

गरज रहे हैं सारे ।
है आना परिणाम ।।
कौन कितना पानी में ।
किया है क्या काम ?
अपने-अपने ढंग से ।
हो रहा प्रचार ।।
टिकी हैं निगाहें ।
मिले पुरस्कार ।।
पहना दे जनमानस ।
मुझे अब तो हार ।।
तरह-तरह के नुस्खे ।
और कई प्रकार ।।
इस तरह कुछ ऐसा ।
खेल रहा है चल ।।
कर के रहेंगे अपना ।
आने वाला कल ।।

-कृष्णेन्द्र राय

मेरी आवाज ही मेरी पहचान है गर याद रहे

(लता जी को श्रद्धांजलि स्वरूप)

स्वर कोकिला, स्वर साम्राज्ञी, हर दिल अजीज, सुरों की मलिका, बच्चे, बड़े, बूढ़े हर किसी को अपनी आवाज से गुनगुनाने को मजबूर करने वाली अजीम शख्सियत लता दीदी कहें लता ताई या लता जी नहीं तो लता मंगेशकर कुछ भी कह लें बड़ी ही खामोशी से खामोश हो गईं। जिसने भी सुना सन्न रह गया, हर किसी को अपनी आवाज से सुकून देने वाली जानी-पहचानी और सबसे अलग आवाज की ऐसी विदाई ने हर किसी को गमगीन कर दिया। सचमुच ऐसा लगता है कि एक युग का अंत हो गया है। चीनी घुली वो, मखमली मीठी आवाज जो उम्र के आखिरी मुकाम तक जस की तस बनी रही बल्कि जवाँ होती रही सचमुच किसी वरदान से कम नहीं थी। इससे भी बढ़कर ये कहें कि दुनिया की उन चंद आवाजों में शुमार बल्कि सबसे बड़े लोकतंत्र और दूसरी आबादी वाली देश की ये महान गायिका ऐसी इकलौती हैं जिनके गीत चौबीसों घण्टे, अनवरत बिना रुके दुनिया भर में कहीं न कहीं अपनी मिठास घोलते रहते हैं। सच में लता मंगेशकर ने जो मुकाम हासिल किया वो बेहद बड़ा बल्कि सबसे ऊंचा था जिसके बाद क्या होता है कोई जानता नहीं है और जानने की कोशिश की।

अद्वितीय प्रतिभा की धनी लता जी की आवाज में जबरदस्त कशिश थी वो लाजवाब थी, मजाक में ही सही अक्सर इस बात पर भी चचाएँ सुनाई देतीं थी उनके गले पर रिसर्च होनी चाहिए।1969 में पद्म भूषण,1989 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार 1999 में पद्म विभूषण, 2001 में भारत रत्न 2008 में भारत की स्वतंत्रता की 60 वीं वर्षगांठ पर "वन टाइम अवार्ड फॉर लाइफटाइम अचीवमेंट" सम्मान सहित न जाने कितने प्रतिष्ठित पुरस्कारों एवं सम्मानों से

सम्मानित लता दीदी भारत की वो अनमोल रत्न थीं जो तीन पीढ़ियों से सारे देश पर अपनी आवाज से राज कर रहीं थीं और कोई नहीं जानता कि कितने सैकड़े बरस तक राज करती रहेंगी। उनकी सौम्यता और प्रतिभा पर सबको बेहद फक्र है। लता जी वो सितारा हैं जो नाशवान शरीर के रूप में भले ही हम से छिन गयी हो लेकिन अनंत में चमकते तारे के रूप में प्रकृति के साथ चमकती, दमकती रहेंगी। सच है कि एक सूरज, एक चाँद और एक ही लता मंगेशकर ने इस धरती पर अपनी आवाज का जादू बिखेरा। कहने को तो हमेशा यह नारा सुनाई देता है कि जब तक सूरज चाँद रहेगा लता दीदी तेरा नाम रहेगा। लेकिन लता जी के लिए यह हकीकत है। उनकी जगह कोई ले पाए यह मुमकिन नहीं और कोई दूसरी लता मंगेशकर दुनिया में आ पाए यह नामुमकिन है।

8 दशकों के अपने संगीत के सफर में लता ताई ने सुरों की वो माला गूथी और सुरों की जो बंदिगी की है वो बानगी है। अपने सुरों से ना सिर्फ प्लेबैक सिंगिंग को नये आयाम देने वाली बल्कि गायकों की तमाम पीढ़ियों को प्रोत्साहित करने वाली लता जी जन्म 28 सितंबर, 1929 को मध्यप्रदेश के इंदौर में एक मराठी परिवार में जन्मीं। जन्म के साथ उन्हें हेमा नाम दिया गया था लेकिन पिता को पसंद नहीं आया और उन्होंने नाम बदलकर लता रख दिया। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर मराठी रंगमंच से जुड़े थे। केवल 5 वर्ष की आयु में अपने पिता के साथ नाटकों में अभिनय किया और संगीत सीखने लगीं। जाने माने उस्ताद अमानत अली खां से भी शास्त्रीय संगीत सीखना शुरू किया लेकिन वो विभाजन में पाकिस्तान चले गए। तब अमानत खां से संगीत शिक्षा लीं। पंडित तुलसीदास शर्मा और उस्ताद बड़े गुलाम अली खां जैसी जानी मानी शख्सियतों से भी संगीत के गुर सीखे।

लता जी का शुरूआती सफर चुनौतियों से भरा हुआ था। बॉलीवुड में 1940 के दशक में प्रवेश के साथ वहाँ नूरजहां, शमशाद बेगम और जोहरा बाई अंबाले वाली जैसी वजनदार आवाजों के सामने उनकी महीन आवाज फीकी लगने लगी। लेकिन तब कौन जानता था कि इसी महीन आवाज की मल्लिका एक दिन दुनिया में अपना वो जादू ऐसा बिखेरेगी कि हर कोई उनकी आवाज का दीवाना भर नहीं बल्कि मुरीद होकर रह जाएगा। तब इसी आवाज के चलते उनके कई मौके बेकार गए क्योंकि उस समय बहुत से फिल्म प्रोड्यूसरों और संगीत निर्देशकों को उनकी बहुत ऊंची और पतली आवाज पर भरोसा नहीं था। 1942 में 13 वर्ष की छोटी सी उम्र में सिर से पिता का साया उठने के बाद परिवार की जिम्मेदारी उन पर आ गई और एक बेहद कठिन इम्तिहान से गुजरना पड़ा। पूरा परिवार पुणे से मुंबई आ गया। जहाँ उन्हें फिल्मों में अभिनय से नापसंदगी के बावजूद परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी को उठाने की मजबूरी में अभिनय करना पड़ा। 1942 में 'कीर्ती हसाल' के लिए अपना पहला गाना गाया जो उनके पिता को पसंद नहीं आया और उन्होंने फिल्म से गाने को हटवा दिया। 1942 से 1948 के बीच लता ने लगभग आठ हिन्दी और मराठी फिल्मों में काम किया।

!! लता मंगेशकर: विनम्र श्रद्धांजलि......!!

विलुप्त हो गया स्वर का तारा
शून्य में विलीन हो गया ।
सदियों से झंकृत वीणा का
सरगम उदासीन हो गया ।।

दुखी दिशाएं , निर्जन अंबर
पवन भी गमगीन हो गया ।
मद्धिम हुई उषा की लाली
सूर्य भी आज मलीन हो गया ।।

नभ में तारे तितर-बितर हैं
सांझ आज निस्तेज हो गई ।
सिमट गई चांदनी तिमिर में
निशा भी अधिशेष हो गई ।।

नीरवता छाई है नभ में
जड़-चेतन गतिहीन हो गए ।
वाणी मन्द , उन्निदी आंखें
मुखमंडल कांति विहीन हो गए ।।

कंठ कोकिला, रत्न भारत की
चिरनिंद्रा में लीन हो गई ।
स्वर साम्राज्ञी रही धरा की
आज स्मृति शेष हो गई ।।

अतुलनीय सुर-ताल की देवी
शास्वत शांत खामोश हो गई ।
मुस्कान सदा जिसके चेहरे पर
वही आज अवशेष हो गई ।।

गीत सदा गूंजेंगे नभ में
जिनको तुमने आवाज दिया ।
सुर लय ताल के अद्भुत संगम से
नवजीवन का राग दिया ।।

नतमस्तक है राष्ट्र तुम्हारे
देशभक्ति के गान से ।
राष्ट्र दुखी है आज तुम्हारे
असमय अवसान से ।।

आर सी यादव

स्लोकतंत्र के बदलते परिवेश मे वर्तमान दौर की राजनीति का स्वरूप सत्ता, शक्ति और पैसा सर्वशक्तिमान

परिवर्तन संसार का नियम हैं, और परिवर्तन ही अटल सत्य और शाश्वत हैं। वर्तमान कालखंड मे सामाजिक जीवन के विभिन्न परिवेश मे आमूल चूक परिवर्तन हुआ हैं। इस परिवर्तन से आज का राजनैतिक रूप भी अछूता नही हैं! पुरातन काल खंड मे जिस लोकतंत्र मे राजनीति हमेशा जनता के सेवा, भाव, राष्ट्र निर्माण, का साधन होती थी, तो दूसरी तरफ राजनीति मे बेदाग छवि, प्रबुध, विदुषी, विद्वान, सदन से लेकर सड़को पर सत्ता को आँख दिखाने का काम करते थे। परंतु आज राजनीति तथा नेता कही न कही सिर्फ सत्ता के इर्द-गिर्द दिखाई दे रहे हैं। अगर यह कह दिया जाए की नेताओं की उसूल का भी उचित मूल्य मिल जाये तो वह उसको भी बेच सकते हैं तो कोई अतिशयोक्ति नही होगी। वर्तमान राजनीति मे नैतिक मूल्यों, आचरण, ईमानदारी, शिक्षा, सभ्यता, की अब कोई जगह नही दिखती फिर रही हैं। आज पालीटिक्स शब्द का स्वरूप ही बदल गया हैं यथा कई जनता के खून चूसने वाले कीड़े।

आज की राजनीति सिर्फ प्रबंधकीय, प्रबंध और प्रबंधन का खेल हो चुका हैं, संघर्ष के दौर हाशिये गिन रहे हैं। राजनीति मे पूँजी एक बड़ा माध्यम हो बनी हैं,साथ ही साथ जिस तरीके से परिवारवाद, पूरे लोकतंत्र मे हावी होता जा रहा हैं वह आगे के दौर की राजनीति के लिए अत्यंत घातक साबित होगा।

राजनीति मे परिवारवाद की जड़े तब अपना पैर पसारना शुरू कर दी जब देश की अहम सरकारों ने महाविद्यालय और विश्वविद्यालय मे छात्रसंघ पर एक सोची- समझी नीति के तहत ताला लगाकर छात्र राजनीति को तहस-नहस कर दिया । जबकि छात्र संघ

संसदीय राजनीति की नर्सरी होती हैं, जिसमे से पढ़ने और लड़ने वाले छात्र देश की राजनीति की दशा और दिशा को तय करते थे। परंतु 2007-2012 के बीच मे लिंगदोह कमेटी के नियमो ने छात्र राजनीति को अपंग बना दिया। धीरे -धीरे सभी सरकारों ने छात्र राजनीति को कमजोर ही किया क्योकि उन्हे डर था कि सामाजिक मुद्दों पर सदन से सड़क पर लड़ने वाला युवा को आज का समाज अपना नेता मान लेगा क्योकि वो आमजन की आवाज हैं। समाज मे संघर्ष की राजनीति को कुचलने के लिए ही छात्र संघ तथा आंदोलनों पर कड़े प्रहार किये गए। उन्हे नष्ट करने के भरपूर प्रयास हुए। इसका सिर्फ एक मकसद था कि राजनीति मे राजघराने तथा राजवाड़े परिवार के अपने लोगो की भागीदारी को बढ़ाना ही उनका अंतिम लक्ष्य रहा।

जबकि लोकतंत्र मे डॉ राममनोहर लोहिया जी कहा करते थे यथा " लोकतंत्र मे राजा केवल रानी के पेट से पैदा नही होता हैं, मेहतरानी के गोद से भी पैदा होता हैं " परंतु आज स्थितियां उलट गयी हैं। नेता का बेटा- बेटी और परिवार ही नेता बन पा रहा हैं,जबकि कार्यकर्ता का बेटा-बेटी सिर्फ कार्यकर्ता ही रह कर सिमट जा रहा हैं, जबकि पहले के कार्यकर्ता ही नेता बनाते थे और नेता ही कार्यकर्ता को भविष्य मे नेता बनाता था!

इस भयानक तस्वीर को एक आकड़ो से स्पस्ट साबित होता हैं कि आज राजनीति मे परिवारवाद का कितना वर्चस्व हो चुका हैं। जब देश मे सन् 1952 मे चुनाव हुये तो देश की संसद मे युवाओं का प्रतिनिधित्व 29 प्रतिशत के आस पास था। आज वर्तमान परिवेश मे देश की राजनीति मे सदन मे प्रतिनिधित्व मात्र 7 प्रतिशत के आस पास नजर आ रहा हैं जिसमे की करीब 70 प्रतिशत यानी 5-6 प्रतिशत केवल राजनीतिक घराने और पार्टियों के परिवार के लोग नेतृत्व कर रहे हैं। इसका मूल कारण यह हैं कि उन्होंने संघर्ष रूपी राजनीति का अंत कर दिया और वर्तमान कालखंड की राजनीति मे पूंजी, फैशन, बाहुबल के दम पर परिस्थितियों को मोड दिया।

आज की राजनीति मे वह उन चीजों को अपनाने लगा हैं, जिनके जरिये वह सोचता हैं कि जनता आसानी से उसके बहकावे मे आ जायेगी। आज अगर राजनीति मे सत्ता एक राजनीति करने की अमूल शक्ति हैं, वही दूसरी तरफ पैसा सर्वशक्तिमान बन चुका हैं। आज निश्चित रूप से वर्तमान राजनीति का दृष्टिकोण बदल गया हैं। "ढोंगी तथा दलबदलू नेताओं के लिए 'उसूल' भी एक बिकाऊ चीज हैं, अगर उसे उसका सही दाम मिल जाये।"

कल्याण सिंह

एक युग जिन्हें यूं भुला ना पाएगा

(स्वर कोकिला को विनम्र श्रद्धांजलि)

गौरीशंकर पाण्डेय सरस

जमाना सदा याद रखेगा ।यही की लता जी जैसी आवाज न भूतो न भविष्यत। पांच साल के बचपना में पिता से संगीत की तालीम लेने वाली लता अपने जीवन में होंठों से छूकर गीतों को अमर कर दिया। मध्य प्रदेश के इंदौर में जन्मी लता पंडित दीनानाथ मंगेशकर और शेवंती की होनहार औलादों में से एक थीं। लता के संगीत शिक्षा में लता जी के नानी की महति योगदान था। लता के प्रारंभिक जीवन का पहला नाम हेमा था।जो बाद में तब्दील होकर लता हुआ।लता का जन्म और जीवन देश के दो कालखंड का गवाह बना।28सितंबर 1929को परतन्त्र भारत में जन्मी लता आजाद भारत के आजादी का अमृत महोत्सव को स्पर्श कर 92वेर की उम्र में दुनियां को छोड़ अनंताकाश में विलीन हो गई। अलविदा देश की अमूल्य निधि से देश शोकाकुल होगया। लता की गीत गायन का कोई जबाव नहीं था।स्वर में साक्षात सरस्वती का वास था। स्वर की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि गीतों की रागिनी सुनकर मृग जहां चरना भूल जाते थे वहीं वनराज उनपर टूटना।लता के सफलता की राह बहुत आसान नहीं रही। सफलता की मंजिल पाने को लता जी ने कठिन त्याग पूर्ण कठिनाइयों का सामना किया। शुरू शुरू में तो लता जी की पतली आवाज के कारण फेमस संगीतकारों ने तो काम देने से साफ मना कर दिया। परन्तु अपनी लगन और प्रतिभा के बल पर अपनी मंजिल को हासिल कर ही लिया।।तीस हजार से अधिक विभिन भाषाओं में अपनी सुरीली आवाज देने वाली बानवेर वर्षीय लताजी 28दिनो तक अस्पताल में जिंदगी से जंग लड़ने के बाद आखिरकार 6फरवरी 022को आखिरी सांस ले ही ली। लताजी आज हम-सब के बीच नहीं हैं लेकिन अपने सदाबहार गानो के माध्यम से लोगों के दिलों पर राज करती रहेंगी।

नई सरकार नये सामन्त

सामंतवाद से हर कोई बाहर आना चाहता था और अब कोई सामंतवाद बचा भी नहीं शिवाय राजनीतिक सामंतवाद के।

देश के राजनीतिक परिदृश्य को उठाकर देखें तो आजादी के बाद देश में 80 के दशक तक ना तो क्षेत्रवाद हावी रहा और ना ही जातिवाद। 1952 में देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री पण्डित जवाहर लाल नेहरू ने जमीदारी प्रथा को तोड़कर जमीनी सामंतवाद को तो खत्म करने की पहल की लेकिन उस दौर में एक अन्य सामंतवाद का जन्म हुआ जिसे राजनीतिक सामंतवाद कहा जा सकता है। राजनीतिक सामन्तों का जो बोलबाला शुरू हुआ वह वर्तमान समय में काफी प्रभावशाली है और इन सामन्तों के प्रभाव के चलते आमजन का जितना भला होना चाहिए उससे कई गुना ज्यादे नुकसान हो जाता है।

राजनीतिक सामन्त अपनी राजनैतिक ताकत और अपना प्रभाव बढ़ाने के चाह में राजनीतिक सुचिता एवं मयार्दा को किनारे लगाने में एक मिनट का भी देर नहीं करना चाहते। शायद इसी वजह के चलते देश की विधायिका में इतने आपराधिक ज्यादे आपराधिक इतिहास वाले माननीय देश के भविष्य के लिए नियम बना रहे हैं, कोई भी व्यक्ति जब नियम बनाता है तो अपने मुफीद बनाता है ऐसे में जब आपराधिक मामलों में माननीय न्यायालय का चक्कर लगा रहे माननीय नियम बनाएंगे तो जाहिर सी बात है कि अपने अनुकूल ही बनाएंगे।

आपराधिक इतिहास वाले लोग जब राजनीतिक सामन्तों द्वारा राजनीति में स्थापित किये जाते हैं तो वह अपनी खुद की सुरक्षा और अनुकूलता के लिए सभी नियम कानूनों को दरकिनार कर कार्य करते हैं, और राजनीतिक सामन्त अपनी शक्ति में इजाफा होते देख आँख मूंद लेना बेहतर समझते हैं।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने कहा है कि कुल 363 सांसद, विधायक आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे हैं। चुनाव सुधारों के लिए काम करने वाले संगठन एडीआर और द्यनेशनल इलेक्शन वाचद्ध ने 2019 से 2021 तक 542 लोकसभा सदस्यों और 1,953 विधायकों के हलफनामों का विश्लेषण किया है। एडीआर के मुताबिक 2,495 सांसदों, विधायकों में से 363 (15 प्रतिशत) ने घोषणा की है कि उनके खिलाफ कानून में सूचीबद्ध अपराधों के लिए अदालतों के जरिए आरोप तय किए गए हैं। इनमें 296 विधायक और 67 सांसद हैं।

" राजनीतिक सामन्तों और अपराधियों का गठजोड़ देश के साथ-साथ मानवता को कई बार शर्मसार करते नजर आ जाता है।" 80 के दशक के समापन के साथ ही जिस तीव्र गति से क्षेत्रीय राजनीतिक सामन्तों का राजनीति में प्रभाव बढ़ते गया वैसे ही राजनीति की सूचिता और मयार्दा खत्म होते चली गई। राजशाही में यह प्रथा थी कि राजा का बड़ा बेटा ही राजा बनेगा न की किसी सैनिक अथवा प्रजा का लड़का, वैसे ही हालात काफी हद तक राजनीतिक सामन्तों का है जिनमें उनके बाद उनका कोई रिश्तेदार। चुनावों के बाद जब सरकार बनती है तो उसी के साथ नई सरकार, नये सामन्त के परिभाषा की शुरूआत हो जाती है। जो सत्ता के करीबी होते हैं वह सामन्ती विचारधारा के पोषक भी नजर आने लगते हैं और कई दफे तो जनता के एवं मानवीय मूल्यों के शोषक बने नजर आते हैं।

बुरे दिनों में साथ में संघर्ष करने वाले लोगों को एक किनारे कर देना तो सत्ताधीशों की पुरानी आदत रही है क्योंकि जो संघर्षों के साथी होते हैं वह सच्चाई से अवगत कराते हैं जी हुजूरी करने के बजाय और सरकार के सामन्तों को यह रास नहीं आता।

राजनैतिक सामंतवाद का अन्त होना राजनीतिक मूल्यों के रक्षा के लिए आवश्यक है लेकिन फिलहाल ऐसा कुछ दूर-दूर तक होता नजर नहीं आ रहा।

दिव्येन्दु राय
स्वतन्त्र टिप्पणीकार

इश्क वाली फरवरी

कहते है इश्क करने का कहाँ कोई मौसम होता है, इश्क तो इश्क है जनाब अपने आप हो जाता है पर जिंदगी की खूबसूरती को जीने में भला क्या नुकसान है तो क्यों न गृहस्थ जीवन में भी इश्क वाली फरवरी का खुले दिल से स्वागत करें। जिंदगी की खूबसूरती को जीने में भला क्या नुकसान है। अपने इश्क का इजहार करने में भला संकोच कैसा। जिंदगी में छोटे-छोटे लमहों को चुराकर यादगार लड़ियों को संजोना ही जिंदगी है। कभी-कभी हमारी गृहस्थी वाली जिंदगी थोड़ी उबाऊ हो जाती है तो क्यों न इसी बहाने यादों के सुनहरे रंग भरने की छोटी सी कोशिश करें। अचानक गिफ्ट का मिलना किसे प्रिय नहीं होता और यह तोहफा आपके जीवनसाथी की पसंद का हो तो बात कुछ अलग ही हो जाती है। यह तोहफा सारे गीले शिकवे को न्यून कर देता है। इसलिए चोखट पर दस्तक दे रही इश्क वाली फरवरी का खुलकर आनंद ले। हसरतों से यादगार हुई जनवरी को अलविदा कहते हुए इस यादगार फरवरी का पूरा लुत्फ उठाएँ। बहुत से लोगों का मत होता है की यह सब पाश्चात्य संस्कृति का दिखावा है परंतु प्रेम की अभिव्यक्ति कोई दिखावा नहीं है। प्रेम की तो साक्षात ईश्वर भी पूजा करते है इसलिए कृष्ण से पहले राधा का नाम उच्चारित किया जाता है। कृष्ण और राधा के अलौकिक प्रेम की तो दुनिया दीवानी है। श्रीराम ने सीता के प्रति अनन्य प्रेम के लिए क्या कुछ नहीं किया। सती के प्रेम में तो शिव ने रौद्र रूप धारण कर लिया था। वहीं पार्वती का शिव के प्रति अडिग तपस्या से सुशोभित हुआ। जब भक्त और भगवान की बात होती है तो केवल प्रेम को ही महत्व दिया जाता है। अतः इश्क भी एक खूबसूरत एहसास है जिसकी मीठी यादें मन को प्रफुल्लित कर जाती है। क्यों न पति-पत्नी भी अपने रिश्ते की खूबसूरती और महक को बरकरार रखें। कुछ क्षण यह एहसास दिलाना की तुम्हारे होने से मेरे जीवन की बगियाँ कितनी खूबसूरत है। पति-पत्नी का रिश्ता तो आकर्षण और प्रेम से शुरू होकर अंततः करुणा में परिवर्तित हो जाता है। प्रेम तो प्रेरणा का भी एक रूप है।

पर्यटन का खास मुकाम डल झील

डल झील श्रीनगर, कश्मीर में तो प्रसिद्ध है ही लेकिन दुनिया भर के सैलानियों के लिए भी यह पर्यटन का एक खास मुकाम है। कहा जाता है कि इसमें स्त्रोतों से जल आता है एवं यह झाल खुद ही कश्मीर घाटी में काफी झीलों से जुड़ी हुई है।

यह दुनिया भर में शिकारों या हाऊस बोट के लिए जानी जाती है और सैलानी खासतौर पर इनका आनंद लेने के लिए यहां आते हैं। यह 18 किलोमीटर क्षेत्र में फैली हुई है। तीन दिशाओं से पहाड़ियों से घिरी डल झील जम्मू कश्मीर की दूसरी सबसे बड़ी झील मानी जाती है और भारत की सबसे सुंदर झीलों में इसे शामिल किया जाता है। पर्यटक जम्मू-कश्मीर आएं और डल झील देखने न जाएं ऐसा हो ही नहीं सकता।

डल झील के पास ही मुगलों के सुंदर एवं प्रसिद्ध पुष्प वाटिका से झील की आकृति और उभरकर सामने आती है। मुख्य रूप से इस झील में मछली का काम होता है। डल झील के मुख्य आकर्षण का केंद्र हैं यहां के हाउसबोट। सैलानी इन हाउसबोटों में रहकर इस खूबसूरत झील का आनंद उठा सकते हैं।

झील, कश्मीर की घाटियों की अन्य धाराओं के साथ मिल जाती है। झील के चार जलाशय हैं गगरीबल, लोकुट डल, बोड डल तथा नागिन।

पानी पर सर्फिंग करना व ऐंगलिंग मछली पकड़ना आदि से सफर और ज्यादा रोमांचक हो जाता है। कश्मीर के प्रसिद्ध विश्वविद्यालय झील के तट पर स्थित है। हाउसबोट में रहकर सैलानी इस झील के खूबसूरत वातावरण से भावविभोर हो जाते हैं।

शिकारे के माध्यम से सैलानी नेहरूपार्क, कानुटूर खाना, चारचिनारी, कुछ द्वीप जो यहां पर स्थित हैं, उन्हें देख सकते हैं। श्रद्धालुओं के लिए हजरतबल तीर्थस्थल के दर्शन करे बिना उनकी यात्रा अधूरी रह जाती है। शिकारे के माध्यम से श्रद्धालु इस तीर्थस्थल के दर्शन कर सकते हैं। एक शिकारे पर सवार होकर विभिन्न प्रकार की कश्मीरी चीजें भी खरीद सकते हैं और दुकानें भी शिकारे पर ही लगी होती हैं। यह मात्र खरीददार तक ही सीमित नहीं है, परन्तु एक रोमांचित कर देने वाला खेल भी होगा।

कैसे जाएं: यदि पर्यटक डल झील पहुंचना चाहते हैं, तो श्रीनगर जिले से 25 किलोमीटर की दूरी पर बडगाम जिले में स्थित एयरपोर्ट पर पहुंच सकते हैं। नजदीक रेल सेवा जम्मू में स्थित है, तथा वहां का नेशनल हाईवे एनएचए कश्मीर घाटी को देश के अन्य भागों से जाड़ता है। इन पहाड़ी इलाकों पर यात्रा करने के लिए दस से बारह घंटे लगते हैं। इस सफर के दौरान पर्यटक यहां के प्रसिद्ध जवाहर टनल को निहार सकते हैं।

ताजमहल के बाद पर्यटकों की खास पसंद खूबसूरत छत्रपति शिवाजी टर्मिनस

छत्रपति शिवाजी टर्मिनस का निर्माण 20 जून 1878 को आरंभ किया गया जिसका निर्माण कार्य 10 वर्षों में पूर्ण किया गया। ब्रिटिश वास्तुकार एफडब्ल्यू स्टीवेंस ने इसका डिजाइन किया था। इस से पूर्व वह यूरोप गया और 10 माह तक उसने कई स्टेशनों का अध्यन किया।

छत्रपति शिवाजी टर्मिनस रेलवे स्टेशन विश्व की धरोहरों में शामिल विलक्षण धरोहर है। यह भारतीय रेलवे के इतिहास के साथ-साथ देश की विरासत को पहचान देने वाला मध्य रेलवे का मुख्यालय एवं एक महत्वपूर्ण स्थल भी है जो चहुओर रेलवे के तीव्र विकास के लहराते परचम का केंद्रीय स्टेशन है। तीन देशों भारतीय हिन्दू-मुगल कला, ब्रिटेन की ब्रितानी कला और इटली की इतावली कला की से निमित एवं सुसज्जित भवन अपने निर्माण से 141 वर्ष बीतने पर भी बेजोड़ तकनीकी विशेषताओं के साथ आज भी शान से खड़ा है। भारतीय रेलवे ने न केवल इसकी कला और खूबसूरती को सहेज कर रखा हुआ है वरन साफ-सफाई, यात्री सुविधाओं, अत्यधिक आधुनिक सुविधाओं के साथ ग्रीन एनर्जी से भी लेस कर दिया हैं। भारतीय रेलवे की नींव रखने वाला छत्रपति शिवाजी टर्मिनस आज भारतीय रेलवे की शक्ति और प्रतिष्ठा का प्रतीक बन गया है।

मुम्बई घूमने आने वालों का इसे देखना पचली वरीयता होती है, खूबसूरती में यह ताजमहल के बाद दूसरे नम्बर पर आता है। तत्कालीन समय में यह एशिया की सबसे बड़ी इमारत थी। इसकी बहुविध विशेषताओं की वजह से यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति ने इसे 2 जुलाई 2004 को अद्भुत स्टेशन को विश्व धरोहर में शामिल कर इसका महत्व प्रतिपादित दुगुनित कर दिया। इस टर्मिनस का निर्माण 20 जून 1878 को आरंभ किया गया जिसका निर्माण कार्य 10 वर्षों में पूर्ण किया गया।

ब्रिटिश वास्तुकार एफडब्ल्यू स्टीवेंस ने इसका डिजाइन किया था। इस से पूर्व वह यूरोप गया और 10 माह तक उसने कई स्टेशनों का अध्यन किया। इसमें लंदन के सेंट पेंक्रास स्टेशन की झलक दिखाई देती है।

इस की रचना मध्यकालीन इटालियन मॉडल पर आधारित विक्टोरियन गोथिक डिजाइन के अनुसार है।

इसके उल्लेखनीय पत्थर के अष्टकोणीय गुम्बद, कंगूरे, नोकदार आर्च और संकेन्द्रित भूमि योजना पारम्परिक भारतीय महलों की वास्तुकला के समरूप हैं। यह पूर्व से पश्चिम की ओर अंग्रेजी के अक्षर सी के आकार में संतुलित एवं योजनाबद्ध रूप से बनाया गया है। इमारत का मुख्य आकर्षण इसका केंद्रीय गुंबद हैं, जिसके ऊपर एक हाथ ऊपर किये प्रगति को दशार्ने वाली 16 फीट 6 इंच ऊंची मूर्ति लगी है। यहाँ बने बंदर, मोर, सिंह की मूर्तियाँ, विविध आकर के गुम्बद, मीनारें, रंगीन शीशे वाली खिड़कियां इमारत की भव्यता और सुंदरता में चार चांद लगाते हैं।

इसकी इमारत का निर्माण पत्थरों से किया गया है। दरवाजें और खिड़कियां बर्मी सागौन लकड़ी से बनाई हैं। कुछ खिड़कियां लोहे से भी बनाई गई है। अंदरूनी भागों में नक्काशीदार टाइलें, लोहे एवं पीतल की आकृतियां मुँडेर-जालियां, टिकट कार्यालय की ग्रिल व जाली एवं वृहत सीडीदार जाली लगाई है हैं। इसमें मुम्बई कला विद्यालय के स्टूडेंट्स द्वारा किये गये कलात्मक कार्य भी इसका आकर्षण बढ़ते हैं। इटेलियन मार्बल तथा पॉलिश भारतीय ब्लू स्टोन से बनाये गये यहां के हर गेट पर एक शेर (ब्रिटेन का प्रतीक) तथा चीता (भारत का प्रतीक) दिखाई देता है। साथ ही यहां रानी विक्टोरिया की प्रतिमा भी स्थापित की गई थी जिसे आजादी के बाद हटा दिया गया।

इस टर्मिनल की खासियत यहां का खास लुक तथा यहां का भारी-भरकम इन्फ्रास्ट्रक्चर है। इस भव्य इमारत को बनाने पर उस समय 16.30 लाख रुपया व्यय किया गया। यह टर्मिनस पारम्परिक पश्चिमी और भारतीय वास्तुकला का एक उत्कृष्ट सम्मिलन दशार्ने वाला एक अद्भुत नमूना और भारतीय विरासत की समृद्धि में एक अनोखी विशेषता जोड़ने वाला भवन है।

वर्तमान में यहां पर 18 रेलवे प्लेटफॉर्म हैं जिनमें 11 लंबी दूरियों की ट्रेनों के लिए तथा 7 लोकल ट्रेनों के लिए काम में लिए जाते हैं। उप नगरीय समस्त रेलें यही से शुरू होती हैं और यहीं समाप्त होती हैं। यह कलात्मक इमारत मुम्बई के लोगों का एक अविभाज्य अंग है, क्योंकि यह स्टेशन उप शहरी और लंबी दूरी रेलों का स्टेशन है। यह भव्य टर्मिनस भारत के व्यस्ततम स्टेशनों में से एक है।

इस स्टेशन से ग्रेट इंडियन पेनिनस्यूला रेलवे द्वारा मई 1878 में शुरू किया गया। बोरीबंदर इलाके में बना होने के कारण इसे पहले बोरीबंदर रेलवे स्टेशन भी कहा जाता था।

बोरीबंदर कभी व्यापार का बड़ा केंद्र था और सुविधा उपलब्ध कराने के लिए इसका निर्माण यहाँ कराया गया। महारानी विक्टोरिया के 1887 में गोल्डन जुबली वर्ष के अवसर पर इस स्टेशन का नामकरण उनके सम्मान में उनके नाम पर विक्टोरिया टर्मिनस किया गया।

आगे चल कर क्षेत्रीय मांग के मध्ये नजर 1996 में इसका नाम बदल कर छत्रपति शिवाजी टर्मिनस कर दिया गया परन्तु आज भी वीटी यानी विक्टोरिया टर्मिनस नाम ही लोगों की जुबान पर है।

मरीन ड्राइव से जुड़े इन अमेजिंग फैक्ट्स के बारे में नहीं जानते होंगे आप

आज जिसे मरीन ड्राइव के नाम से जाना जाता है, उसका असली नाम कुछ और ही है। यह समुद्र तट के साथ एक 3.5 किमी लंबी सड़क है। जिसका वास्तविक नाम सोनापुर है। ड्राइव के साथ चलने वाली सड़क को नेताजी सुभाष चंद्र बोस सड़क कहा जाता है। मुंबई का मरीन ड्राइव बेहद ही फेमस है। जो लोग मुंबई जाते हैं, वह एक बार मरीन ड्राइव जरूर जाते हैं। मुंबई में पर्यटकों के आकर्षण के बीच, मरीन ड्राइव एक महत्वपूर्ण गंतव्य है। यह घुमावदार समुद्र तट सैर और एक घुमावदार सड़क है जो समुद्र तट और किनारे का शानदार दृश्य प्रदान करती है। मुंबई के मरीन ड्राइव में आप भी शायद कई बार गए होंगे। लेकिन इससे जुड़े ऐसे कई फैक्ट्स हैं, जिससे खुद मुंबई वासी भी अभी तक अनजान हैं। तो चलिए आज हम आपको ऐसे ही कुछ मजेदार फैक्ट्स के बारे में बता रहे हैं-

मुंबई में मियामी

अगर आप मरीन ड्राइव की तस्वीरों को देखेंगे तो आपको इंटरनेशनल बीच डेस्टिनेशन मियामी की याद आ जाएगी। इस तरह अगर देखा जाए तो मुंबई का अपना खुद का मियामी है। प्रसिद्ध लेखक नवीन रमानी ने अपनी पुस्तक 'बॉम्बे आर्ट डेको आर्किटेक्चरः ए विजुअल जर्नी' में भी मियामी के ओशन ड्राइव और मुंबई के मरीन ड्राइव के बीच समानताएं निकाली थीं।

असली नाम है कुछ और

आज जिसे मरीन ड्राइव के नाम से जाना जाता है, उसका असली नाम कुछ और ही है। यह समुद्र तट के साथ एक 3.5 किमी लंबी सड़क है। जिसका वास्तविक नाम सोनापुर है। ड्राइव के साथ चलने वाली सड़क को नेताजी सुभाष चंद्र बोस सड़क कहा जाता है। यह सड़क नरीमन पॉइंट को बाबुलनाथ के मालाबार हिल्स से जोड़ती है।

एक फेल प्रोजेक्ट

आज मरीन ड्राइव को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह मुंबई का ऐसा प्रोजेक्ट है, जो वास्तव में एक फेल प्रोजेक्ट रहा। यह एक पुनर्ग्रहण परियोजना थी, जो विफल रही और अंततः एक पर्यटक आकर्षण में बदल गई। 19 वीं शताब्दी में, ब्रिटिश सरकार द्वारा नरीमन प्वाइंट को मालाबार हिल से जोड़ने के लिए मुंबई में बैकबले रिक्लेमेशन परियोजना शुरू हुई। बाद में, यह 1920 के दौरान कोशिश की गई थी। लेकिन तब भी इसे पूरा नहीं किया जा सका। शुरूआत में इसमें 1500 एकड़ जमीन का इस्तेमाल होना था लेकिन बाद में प्रोजेक्ट के लिए 440 एकड़ का इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई। हालांकि, इसके बाद मिलिट्री ने 235 एकड़ ले लिए और बची हुई जमीन पर दूसरा काम शुरू हो गया। जिसके बाद सिर्फ 17 एकड़ जमीन बची जिसे आज मरीन ड्राइव कहा जाता है।

अल्पना कांडपाल

दक्षिण की फिल्में बॉलीवुड का तड़का

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा द राइज पार्ट १ के हिंदी संस्करण को मिली अभूतपूर्व सफलता से, दक्षिण के तमाम निर्माता उत्साहित है। पुष्पा द राइज के दूसरे हिस्से को बनाने का प्रारंभ थोड़ा पहले से कर दिया गया है। पहले निर्माता का इरादा था कि पुष्पा का दूसरा हिस्सा थोड़ा रुक कर बनाया जाए। पुष्पा के दूसरे हिस्से में बॉलीवुड के एक-दो बड़े सितारों को लेकर इसे अखिल भारतीय रूप दिया जाएगा। लेकिन, हिंदी बेल्ट में जैसी पकड़ अल्लू अर्जुन की बन गई है, किसी बॉलीवुड स्टार की जरूरत नही है।

तड़का क्यों - क्या पुष्पा 2 यानि पुष्पा द रूल में कोई बॉलीवुड सितारा होगा? दक्षिण की फिल्मों के बॉलीवुड सितारों के तड़के की शुरुआत हो चुकी है। इस समय बन रही या जल्द रिलीज होने जा रही तमाम फिल्मों में बॉलीवुड के सितारों को शामिल किया जा रहा है। इसमें कोई संदेह नही कि इनमे से कुछ सितारे अब उतने चलताऊ नही पर किसी तेलुगु, तमिल, कन्नड़ या मलयालम फिल्म को अखिल भारतीय रूप देने के लिए पर्याप्त है।

बॉलीवुड-टॉलीवूड का रिश्ता- बॉलीवुड और टॉलीवूड का रिश्ता काफी पहले से रहा है। पहले भी तमिल और तेलुगु, खासतौर पर तमिल फिल्मों के शिवाजी गणेशन, जैमिनी गणेशन, कमल हासन, रजनीकांत, नागार्जुन, चिरंजीवी आदि ने बॉलीवुड में दस्तक दी। इनमे से कुछ अभिनेताओं की पारी कुछ

जमी पर बाकी जल्द वापस हो गए। अलबत्ता, दक्षिण की अभिनेत्रियों की जोड़ी बॉलीवुड सितारों के साथ खूब जमी। अंजलि देवी, सावित्री गणेशन के बाद वहीदा रहमान, हेमा मालिनी, रेखा, श्रीदेवी और जयाप्रदा बॉलीवुड के अभिनेताओं के साथ खूब जोड़ियां जमाई।

दक्षिण से शुरुआत- बॉलीवुड सितारों को अपनी फिल्मों में लेने के ख्याल से तेलुगु और तमिल सिनेमा उत्साहित नजर नहीं आया। किसी भी दक्षिण भाषा की फिल्म का नायक कोई बॉलीवुड अभिनेता बना हो इसका प्रमाण नही मिलता। शायद हिंदी फिल्मों का ग्लैमर टॉलीवूड को नही जमता रहा हो। इसके बावजूद हिंदी फिल्मों में नाम कमाने वाली कुछ अभिनेत्रियों के फिल्म करियर की शुरुआत तमिल या तेलुगु फिल्मों से हुई। पहले ऐश्वर्या राय ने तमिल फिल्म इरुवर की। प्रियंका चोपड़ा तमिल फिल्म तमिसन में विजय की नायिका बनी। इसके बाद कैटरीना कैफ भी बूम फ्लॉप होने के बाद तेलुगु फिल्म मल्लिस्वरी में वेंकटेश की नायिका बनाई गई। सोनाक्षी सिन्हा ने तो तमिल फिल्म लिंगा में अनुष्का शेट्टी के साथ रजनीकांत को शेयर किया था। आज की सुपर सितारा दीपिका पादुकोण तो 2007 में शाहरुख खान के साथ ओम शांति ओम से हिंदी बेल्ट में धमाका करने से पहले कन्नड़ फिल्म ऐश्वर्या में उपेंद्र की नायिका बन चुकी थी। इन सभी के हिंदी फिल्मों में सफलता मिलने के बाद दक्षिण की फिल्मों में करियर खत्म हो गया।

विलेन की भूमिका- पिछले कुछ समय से दक्षिण की फिल्मों को बॉलीवुड के अभिनेता विलेन की भूमिका में खूब रास आ रहे है। रजनीकांत की फिल्म दलपति में अमरीश पुरी ने खल भूमिका की थी। अतुल कुलकर्णी को रन के विलेन के रूप में सराहा गया था। तमिल फिल्म रमन्ना में मुकेश ऋषि ने विलेन जालंधर सिंह की भूमिका की थी। मुकेश फिल्म पोक्किरी में भ्रष्ट पुलिस अधिकारी की भूमिका में थे। आशीष विद्यार्थी, गोविन्द नामदेव, सयाजी शिंदे, आदि तो हिंदी फिल्मों के तरह दक्षिण की फिल्मों में भी विलेन बन रहे है। बॉलीवुड में नायक की भूमिका करने वाले कुछ अभिनेता खलनायक बन कर आये। सोनू सूद दक्षिण की फिल्मों के लोकप्रिय खलनायक है। प्रभास की फिल्म साहो में तो जैकी श्रॉफ, नील नितिन और चंकी पांडेय खल भूमिकाएं कर रहे थे। विवेक ओबेरॉय फिल्म कृष 4 में विलेन बनने के बाद, तमिल फिल्म विवेकम, तेलुगु फिल्म कन्नड़ फिल्म रुस्तम और मलयालम फिल्म लूसिफर में खलनायक बने।

बॉलीवुड के सितारे- अब दक्षिण में निर्मित हो रही फिल्मों में बॉलीवुड के सितारों को लिया जा रहा है। इनकी भूमिकाये छोटी या बड़ी हो सकती है। प्रभास की फिल्म राधेश्याम की नायिका बॉलीवुड की पूजा हेगड़े है। दीपिका पादुकोण, निर्देशक नाग चैतन्य की साइंस फिक्शन फिल्म अमिताभ बच्चन के साथ करने वाली है। इसके नायक भी प्रभास होंगे। आरआरआर में रामचरण और जूनियर एनटीआर के बावजूद बॉलीवुड के अजय देवगन और आलिया भट्ट का तड़का भी डाला गया है। विजय देवराकोण्डा को हिंदी दर्शकों से परिचय करने वाली फिल्म लाइगर की नायिका अनन्या पांडेय है। केजीएफ चैप्टर 2 में संजय दत्त खलनायक अधीरा की भूमिका कर रहे है। फिल्म में इंदिरा गांधी की भूमिका में रवीना टंडन है। कन्नड़ फिल्म विक्रांत रोणा को अखिल भारतीय रूप देने के लिए बॉलीवुड फिल्म अभिनेत्री जैकलिन फर्नांडीज को खास और दिलचस्प भूमिका में लिया गया है।

रिवर्स ट्रेंड- कुछ बड़ी हिंदी फिल्मों को दक्षिण में लोकप्रिय बनाने के लिए दक्षिण के सितारों को शामिल किया गया है। वरिष्ठ तेलुग अभिनेता नागार्जुन ब्रह्मास्त्र मे रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और अमिताभ बच्चन के साथ विशेष भूमिका कर रहे हैं। उनके बेटे नाग चैतन्य को आमिर खान ने फिल्म लाल सिंह चड्डा में महत्वपूर्ण भूमिका दी है। सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म योद्धा की नायिका दक्षिण की राशि खन्ना है। मैदान में अजय देवगन का साथ प्रियमणि दे रही है। कन्नड़ फिल्मों के सुपरस्टार अभिनेता पुनीत राजकुमार को फिल्म गणपत में टाइगर श्रॉफ के साथ लिया गया है। ■

रातवाला फैमिली शो

सोनी सब 'गुडनाइट इंडिया' में अमित टंडन और जिया शंकर द्वारा होस्ट किया गुदगुदा देने वाली परफॉर्मेस की सीरीज पेश करेगा। जिया शंकर

कॉन्सेप्ट बिल्कुल अलग- मुझे लगता है कि मैं हमेशा से ही ऐसी शख्स रही हूं, जिसे चुनौतियां पसंद है। इसलिए जब यह मौका मेरे पास आया, तो मैं इस चुनौती को स्वीकार करने से पहले दोबारा नहीं सोचा। मेरा करियर बेहद चुनौतीपूर्ण रहा है, जैसे मैंने पिछली बातों के बारे में भी कभी नहीं सोचा था, जो मेरे साथ हुई और मुझे लगता है कि मैंने उन सबसे सही तरीके से बाहर आई हूं। शो का कॉन्सेप्ट बेहद अनूठा है ।

रिलैक्स और अच्छी नींद- मुझे लगता है कि हम पिछले दो साल से इस तरह की चुनौतीपूर्ण स्थितियों से गुजर रहे है और बाद में तो चीजें पहले से ज्यादा मुश्किल हो गई हैं। बिस्तर पर जाने से पहले मैं निश्चित रूप से कुछ हल्का-फुल्का देखने की कोशिश करती हूं, जो मुझे सुकूनदायक नीद लेने में मदद करे और मेरे दिन के तनाव को भी दूर कर दे। मैं पूरे फ्लो में काम करूंगी और हर दिन कुछ नया सीखने वाली हूं। यह सीखने का बेहतरीन मौका है।

होस्ट की भूमिका- मुझे लगता है कि यह बेहतरीन मौका है। मैं चाहती हूं कि लोग और शुभचिंतक मुझे ऐसे शख्स के रूप में जानें, जो चुनौतियों को स्वीकार करती है और हर प्रोजेक्ट में अपना 100 प्रतिशत से अधिक देने का प्रयास करती है। मैं थोड़ा नर्वस और उत्साहित हूं। ■

चंदन ने लगाई मुहर

फिल्म 'सनक- होप अंडर सीज', प्रकाश झा की 'आश्रम' और वसन बाला की 'रे' में चंदन रॉय सान्याल अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुहर लगा है । चंदन रॉय और शोएब लोदीन 'दर-बदर' को ढ्राका फिल्म समारोह में दिखाया गया और 27वें मिन्स्क अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में पुरस्कार भी जीता है। 'दर- बदर' को चंदन ने लिखा है। चंदन का कहना है यह कॉन्सेप्ट दर्शकों को छू पाया और वो उससे जुड़ा हुआ महसूस किये । मै इस रियलिस्टिक कॉन्सेप्ट का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं।

बेनाफ ने बताए अनुभव

बेनाफ दादाचंदजी सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के शो 'धड़कन जिंदगी की' में महत्वपूर्ण रोल निभा रही हैं। उन्होंने डॉ. विक्रांत की पत्नी डॉ. अदिति सक्सेना का किरदार निभाया है। जहां बेनाफ दादाचंदजी बढ़िया वक्त गुजार रहे हैं। बेनाफ ने कहा, ऐसे लोग बहुत मुश्किल से मिलते हैं, जो आपके लिए परिवार बन जाएं, मैं लकी हूं कि मुझे ऐसा परिवार मिला, जिसे मैं घर कह सकती हूं। अदिति, जो डॉ. दीपिका का रोल निभा रही हैं, बेहतरीन एक्ट्रेस हैं और बढ़िया इंसान भी हैं।

महादेवन, आनंद ने किया हवन

जी टीवी रियलिटी शो सारेगामापा 2021 में संगीतकार आनंद वीरजी शाह स्पेशल गेस्ट बनकर आए। लेजेंडरी सिंगर लता मंगेशकर के साथ संगीत का जादू बिखेरने वाले आनंदजी, लता जी बारे में किस्से बताएंगे। लता मंगेशकर हॉस्पिटल में भर्ती है और उनकी हालत गंभीर है। जज शंकर महादेवन ने गेस्ट आनंदजी के साथ मिलकर लता मंगेशकर के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए सेट पर हवन किया। महादेवन ने कहा, हम प्रार्थना करते है कि हमारी सारी सकारात्मक ऊर्जा ब्रह्मांड तक पहुंचे और हमारी सरस्वती लता मंगेशकर जी शीघ्र स्वस्थ होकर घर लौटें।

विद्युत ने की पतंगबाजी

पतंगबाजी जुनून है, एक्शन सुपर स्टार विद्युत जामवाल ने मुंबई में पतंग की काफी ऊंची ढील दी । इस पतंगबाजी को उन्होंने वीडियो में कैप्चर करके सोशल मीडिया पर पोस्ट किया । पतंग उड़ाते हुए विद्युत बेहद उत्सुक और खुश दिखाई दे रहे है।

'इंडियन कंटेंट का बिग रूटर हूं!': ताहिर

हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज़ ये काली काली आंखें के बाद से एक्टर ताहिर राज भसीन बहुत खुश हैं । उन्होंने बताया कि वह ओटीटी पर इंडियन कंटेंट के 'बिग बिंगर' है और द फैमिली मैन में मनोज बाजपेयी और स्पेशल ऑप्स में केके मेनन को अपना फेवरेट मानते है। ताहिर कहते हैं, मै मनोज बाजपेयी और मेनन के शानदार परफॉर्मेंस देखकर हैरान था। दोनों मेरे फेवरेट एक्टर्स है। मै अपने आसपास हो रहे बेहतरीन काम से लगातार प्रेरित होता रहता हूं। मै इंडियन और इंटरनेशनल शोज का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मै इंडियन कंटेंट का बिग रूटर भी हूं क्योंकि पिछले कुछ वर्षों के दौरान हमने कमाल के असली इंडियन शोज का निर्माण किया है।

रवि ने लिया नारद का अवतार

जीटीवी में पहला भक्ति गायन रियलिटी शो स्वर्ण स्वर भारत रहा है। जज - मशहूर कवि डॉ. कुमार विश्वास और जाने-माने सिंगर्स - कैलाश खेर सुरेश वाडकर प्रतिभागियों को सुर भाव

और सार के पैमाने पर आंक रहे हैं, जबकि होस्ट रवि किशन प्रमुख सूत्रधार है। रवि किशन नारद मुनि के प्रसिद्ध पौराणिक किरदार में नजर आए। रवि बताते है, मैंने बहुत-से पौराणिक किरदार निभाए हैं और मुझे यह बहुत पसंद है। मै बनारस के गांव से आता हूं, मेरे पिता पुजारी थे। उन्होंने ही मुझे आध्यात्मिक जीवन जीना सिखाया ।

कपिल शो में बताया पारसी होने के नाते मदद मिली

जिम सर्भ अपनी पहली फिल्म 'नीरजा' के साथ ही पहचाना नाम बन गए। अब इस एक्टर को नई सीरीज 'रॉकेट बॉयज' में भारत के न्यूक्लियर प्रोग्राम के जनक होमी जे. भाभा का रोल निभाने के लिए चुना गया है। इसे प्रमोट करने के लिए जिम कोस्टार्स के साथ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के द कपिल शर्मा शो के सेट पर पहुंचे। जिम ने कपिल शर्मा के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि वो मानते है कि पारसी होने के नाते पारसी किरदार निभाने में डिटेल्स पर ध्यान देने में मदद मिली। मुझे पारसीय की बारीकियों पर ध्यान देने की जरूरत नहीं पड़ी।

आयशा जुल्का: डांस से बचते थे सलमान खान

ज़ीटीवी में रियलिटी शो सारेगामापा 2021 में 90 के दाक की अभिनेत्रियां आयाा जुल्का और मधु शाह स्पेशल गेस्ट बनकर आएंगी। आयशा ने बताया, "सलमान खान के साथ शूटिंग कर रही थी, तब वो डांसिंग को लेकर बड़े फिक्रमंद रहते थे। सारे डांस स्टेप्स मुझे दे दें। मैंने उनके साथ बहुत से लाइव शोज़ भी किए हैं। अब वो इतना अच्छा डांस करते हैं और अपनी सारी स्टेप्स ध्यान में रखते हैं। लगता है वो पहले ड्रामा किया करते थें।"

पूजा हेगड़े की 'अला वैकुंठपुरमुलू'

पैन इंडिया स्टार पूजा हेगड़े की आने वाली फिल्म 'राधे श्याम' की चर्चा है फिल्म 'अला वैकुंठपुरमुलू' का टीवी प्रीमियर है। पूजा ने इसमें अमूल्य की भूमिका निभाई है, जो अपनी ट्रैवल एजेंसी चलाती है और आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन के साथ उनकी केमिस्ट्री है। फिल्म का 6 फरवरी को टीवी प्रीमियर है।

वूट किड्स पर नई सीरीज 'ब्लेजिंग टीम्स'

नई सुपर हीरो सीरीज 'ब्लेजिंग टीम्स' का का प्रसारण वूट किड्स पर शुरू हो गया है। युवा जिज्ञासु मन की कल्पना शक्ति को बढ़ाते हुए यह कार्यक्रम फेंटेसी की सैर करायेगा। इस शो को चाइना अल्फा ग्रुप एवं एनीमेशन स्टूडियो गुआंगडोंग अल्फा एनीमेशन एंड कल्चर ने बनाया है। एक नये अवतार में ब्लेजिंग टीम्स एपिसोड में दर्शकों को यो क्वोन डू की जादुई दुनियां में ले जाता है। इसके अलावा पार्कर बेट्स मैडी स्टोन, स्कॉट हाडी, विल्सन टिश के साथ रोमांचक कारनामे करते हुए एक ब्लेजिंग टीम बनाते हैं, जिसकी मॉनिटरिंग मास्टर लाओ द्वारा की जाती है। इसी तरह विभिन्न रोमांचक कहानी को इनके एपिसोड में पेश किया जाएगा, जो दर्शकों को बेहद पसंद आएंगे। ■

मार्च में राधे श्याम और आरआरआर

भिन्न राज्यों में थिएटर खुलने और क्षमता में वृद्धि के बाद नई फिल्मों के प्रदर्शन की तिथियां जारी करने का सिलसिला प्रारंभ होने जा रहा है। इस मामले में दक्षिण के फिल्म निर्माता आगे लगते है। अजित कुमार की तमिल फिल्म वालिमै 24 फरवरी को, प्रभास की हिंदी, तेलूग, तमिल और कन्नड़ भाषा में प्रदर्शित की जाने वाली फिल्म राधे श्याम 11 मार्च को, एसएस राजामौली की बहुभाषी फिल्म आरआरआर 25 मार्च को, 14 अप्रैल को दो फिल्में केजीएफ चैप्टर 2 और विजय की तमिल फिल्म बीस्ट, रामचरण और चिरंजीवी की फिल्म आचार्य 28 अप्रैल को रिलीज होंगी। अप्रैल में रिलीज होने वाली पवन कल्याण और राणा डग्गुबती की फिल्म भीमला नायक तथा महेश बाबू की तेलुगु फिल्म सरकारू वारि पाता मई में या अगले किसी महीने में प्रदर्शित होंगी। ज्यादातर फिल्में हिंदी में भी प्रदर्शित की जा सकती है।

बालीवुड

माधुरी दीक्षित का फेम गेम

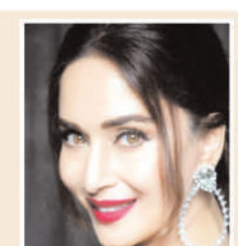

माधुरी दीक्षित की पहली वेब सीरीज द फेम गेम नेट फ्लिक्स पर 25 फरवरी से स्ट्रीम होने जा रही है। इसकी कहानी चमक दमक, ग्लैमर और प्रसिद्धि की है। यह सीरीज बॉलीवुड पर है। इसमें माधुरी दीक्षित नेने, अनामिका आनंद की भूमिका कर रही है। इसके लेखक बिजॉय नाम्बियार और निर्देशक करिश्मा कोहली है। इसका पहले टाइटल फाइंडिंग अनामिका था। अभिनेत्री के करियर के उतार चढ़ाव को दर्शाने वाली इस सीरीज में माधुरी के सहकलाकारों में संजय कपूर, मानव कॉल, लक्ष्यबीर सरन, सुहासिनी मुले और मुस्कान जाफरी है।

रोमांस पत्नी से

फरहान अख्तर की जोया अख्तर निर्देशित फिल्म जी ले जरा, हृतिक रोशन, फरहान अख्तर और अभय देओल की रोड फिल्म जिन्दगी न मिलेगी दोबारा का महिला संस्करण है। इसमें तीन महिला चरित्रों को प्रियंका चोपड़ा, कैटरीना कैफ और अलिया भट्ट कर रहे हैं। इस फिल्म के लिए तीन पुरुष चरित्रों का चयन अंतिम होना बाकी है। खबरें है कि फिल्म में पुरुष चरित्र खुद फरहान अख्तर करेंगे। वह किसके अपोजिट होंगे, अभी साफ नहीं है। ऐसा लगता है कि वह प्रियंका के साथ रोमांस करते नजर आएंगे। दिलचस्प है कि फिल्म में विक्की कौशल को शामिल किया जा रहा है। वह जी ले जरा में अपनी रियल लाइफ पत्नी कैटरीना कैफ के साथ रील लाइफ रोमांस करेंगे। हालिया पति-पत्नी बनी विक्की और कैटरीना का रोमांस दिलचस्प बना देगा।

भाग्यश्री की बेटी की सीरीज

1989 में, सलमान खान के साथ सूरज बड़जात्या की सुपरहिट फिल्म मैंने प्यार किया से छाने वाली तथा उतनी ही गति से हिमालय दासानी के साथ शादी कर इंडस्ट्री को अलविदा कह देने वाली भाग्यश्री पटवर्धन की बेटी अवंतिका दासानी भी एक्टर बन गई है। वेब सीरीज मिथ्या से होने जा रहा है। यह इंग्लिश शो चीट की रीमेक है। चीट, क्लास रूम में साहित्य के प्रोफेसर और उसकी शिष्या के बीच टकराव से शुरू होती है, जो दोनों के बीच व्यक्तिगत रंजिश और बदले का रूप ले लेती है। इसमें प्रोफेसर की भूमिका हुमा कुरेशी कर रही हैं और छात्रा अवंतिका है। छः हिस्सों में बनी इस सीरीज के निर्देशक रोहन सिप्पी है। जी5 पर शीघ्र स्ट्रीम होली मिथ्या।

सालार में प्रभास की आद्या श्रुति

कभी हिंदी फिल्मों में धूम मचाने वाले कमल हासन की दोनों बेटियां श्रुति हासन और अक्षरा हासन, हिंदी फिल्मों में मौका मिलने के बावजूद कोई ग्लैमर नहीं बिखेर सकी। अक्षरा तो दो फिल्मों षमिताभ और लाली की शादी में लड्डू दीवाना के बाद बाहर हो गई। श्रुति ने कुछ अच्छी फिल्में की, जो सफल भी हुई पर वह भी अपना सिक्का नहीं जमा सकी। श्रुति की पिछली हिंदी फिल्म बहन होगी तेरी 2017 में प्रदर्शित हुई थी। उनकी दो फिल्में यारा और द पॉवर, सिनेमाघरों के बजाय ओटीटी प्लेटफार्म जी5 से स्ट्रीम हुई। इधर प्राइम वीडियो के शो बेस्टसेलर में मिथुन चक्रवर्ती के साथ आ रही है। वह प्रशांत नील की लिखी और निर्देशन में बनने वाली गैंगस्टर फिल्म सालार में ले ली गई है। वह आद्या की भूमिका कर रही है। उनके नायक प्रभास है।

पुष्पा के बाद दक्षिण का द रूल

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा द राइज पार्ट 1 ने 100 करोड़ नेट का आंकड़ा पार कर लिया। अल्लू हिंदी पेटी में, दक्षिण के सबसे विश्वसनीय सितारे बन कर उभरे हैं। पुष्पा के दूसरे हिस्से पुष्पा द रूल पर काम जोरशोर से शुरू हो चुका है। बताते हैं कि बॉलीवुड के प्रमुख वितरक ने पुष्पा द रूल को हिंदी बेल्ट में वितरित करने के लिए 400 करोड़ का प्रस्ताव किया है। प्रभास की राधे श्याम, सलार आदिपुरुष, रामचरण और एनटीआर जूनियर की आरआरआर, विजय देवेराकोंडा की लाइगर और पुष्पा द रूल बेसब्री से इंतजार है। पहले हिस्से से धूम मचा चुकी यश की फिल्म केजीएफ चैप्टर1 के दूसरे चैप्टर को सफलता सुनिश्चित है। इसका मीठा फल किच्छा सुदीप की फिल्म विक्रांत रोणा को भी मिल सकता है।

अमित शाह ने लखनऊ में दी लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि लोक कल्याण संकल्प पत्र घोषित करने का कार्यक्रम स्थगित

लखनऊ। भारत रत्न लता मंगेशकर के रविवार को निधन पर दो दिन के राष्ट्रीय शोक घोषित होने के कारण भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को लोक कल्याण संकल्प पत्र घोषित करने का कार्यक्रम स्थगित कर दिया है। गृह तथा सहकारिता मंत्री अमित शाह रविवार को लखनऊ पहुंचे और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि दी। अमित शाह का आज का पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दौरे का कार्यक्रम जारी रहेगा। स्वर कोकिला लता मंगेशकर के रविवार को निधन के कारण भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर लोक कल्याण संकल्प पत्र की घोषणा स्थगित कर दी है। लोक कल्याण संकल्प पत्र जारी करने गृह मंत्री अमित शाह रविवार को लखनऊ पहुंचे थे। कार्यक्रम स्थगित होने के बाद केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ सीएम आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केपी मौर्य और उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने भारत रत्न लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन रखा। लता मंगेशकर के निधन के कारण उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने उत्तर

प्रदेश चुनाव के लिए घोषणापत्र का कार्यक्रम स्थगित कर दिया है। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि भारत रत्न लता मंगेशकर का आज निधन हो गया है। उनके जैसा व्यक्तित्व सदियों में एक बार आता है। इस दुखद समाचार के कारण आज घोषणा पत्र 2022 का कार्यक्रम स्थगित किया गया है, अगली तिथि की घोषणा जल्द की जाएगी। पार्टी के अन्य राजनीतिक कार्यक्रम यथावत रहेंगे। उत्तर प्रदेश में अपनी सरकार बरकरार रखने के प्रयास में लगी भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के लिए अपना लोक कल्याण संकल्प पत्र जारी करने का कार्यक्रम तय किया था। इसके लिए गृह मंत्री अमित शाह भी करीब 11 बजे लखनऊ पहुंचे। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सीएम योगी आदित्यनाथ, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह तथा लखनऊ की मेयर के साथ अन्य मंत्रियों ने उनकी अगवानी की। भाजपा उत्तर प्रदेश ने लोक कल्याण संकल्प पत्र प्रदेशभर से सुझाव एकत्र कर बनाया है। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में बीते दिनों पार्टी की ओर से आकांक्षा पेटी लांच की गई थी। मुख्यमंत्री ने 'यूपी नंबर एक, सुझाव आपका, संकल्प हमारा' अभियान शुरू किया था। लोक कल्याण संकल्प पत्र के लिए सुझाव जुटाने का अभियान 15 दिसंबर, 2022 को शुरू हुआ। प्रदेश की 30 हजार ग्राम पंचायत, सभी विधानसभा क्षेत्रों और महानगरों में विभिन्न सामाजिक और आर्थिक वर्ग के लोगों से संवाद किया गया। उनसे सुझाव मांगे गए। आकांक्षा पेटियां लगाई गईं। इसके साथ ही मिस्ड काल और ई-मेल के माध्यम से भी सुझाव लिए गए।

हम लाएं हैं अपराध से यूपी निकाल के... गीत गाकर विपक्षियों पर तंज कसते हैं सुरेश खन्ना

बरेली। शाहजहांपुर शहर सीट से लगातार आठ बार से चुनाव जीतते आ रहे सुरेश कुमार खन्ना इस बार फिर से चुनाव मैदान में हैं। रोज 15 से 16 घंटे प्रचार व जनसंपर्क कर रहे हैं। सभी से भाजपा के लिए वोट की अपील कर रहे हैं। खन्ना के दिन की शुरूआत सुबह करीब साढ़े पांच बजे होती है। रोज की तरह वह स्नान कर साढ़े छह बजे हनुमत धाम पहुंच गए। जहां अपने आराध्य हनुमान जी की मूर्ति के सामने करीब सवा घंटे तक पूजा अर्चना की। वहां से निकले तो कुछ लोग मिल गए। हाल चाल पूछा। फिर वहां रखा अखबार लेकर उसे पढ़ते हुए घर के लिए पैदल चल दिए। करीब नौ बजे नाश्ता कर घर से बाहर आए तो कुछ लोग इंतजार कर रहे थे। लान में कुछ देर तक उनसे बात की। साढ़े नौ बजे तीन गाड़ियों के साथ जनसंपर्क के लिए निकले। गाड़ी में सिर्फ खन्ना और ड्राइवर ही बैठते हैं। जबकि सुरक्षाकर्मी पीछे की कार में रहता है। खिरनीबाग कालोनी में जनसंपर्क शुरू किया। अपने करीबी नरेन्द्र गुरु के घर पहुंचे तो वहां

समर्थकों के साथ दही जलेबी खाते हुए मूड भांपा। फिर आर्यनगर मुहल्ले पहुंचे जहां बुजुर्ग महिला ने दोनों हाथ सिर पर रखकर आशीर्वाद दिया। रामनगर कालोनी में लोग पहले से इंतजार करते मिले। सभी का अभिवादन कर घर-घर उन्हें पंपलेट देते हुए वोट देने की अपील करने लगे। रामदास के घर पर पहुंचे। पूछा वोट किसे दोगे, जवाब मिला आपको। बोले यह सड़क हमने ही बनवाई थी। इस बार कमल के फूल पर ही मोहर लगाना। वहां मौजूद महिला बोलीं नाली टूटी है। गंदगी रहती है, एक समर्थक बोल उठा कि यह हिस्सा छावनी परिषद का है, जिस पर खन्ना नाराज होते हुए बोले हमें ही बात कर लेने दो। फिर बोले यह समस्या भी दूर करा देंगे। वहां से आगे बढ़े तो ढोलक बजाने वालीं महिलाएं मिल गईं। उनसे भी वोट की अपील करते हुए मंदिर पर पहुंचे। पूर्व सभासद गोपाल बिन्नू के घर कुछ लोगों के साथ मीटिंग की। कई और घरों पर जनसंपर्क कर शाहबाजननगर, मधवामई आदि गांवों में पहुंचे। दोपहर बाद कचहरी में अपने साथी वकीलों के पास पहुंचे। रोजा में सभा की। उसके बाद जनसंपर्क का क्रम रात 12 बजे तक चलता रहा।

उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में एक लाख पोलिंग बूथ पर रहेगी तीसरी आंख की नजर

लखनऊ। चुनाव आयोग के साथ उत्तर प्रदेश निर्वाचन आयोग प्रदेश में दस फरवरी से होने वाले विधानसभा चुनाव 2022 को बेहद सतर्क और मुस्तैद भी है। कोरोना वायरस संक्रमण की तीसरी लहर के साथ ही मतदाताओं की सुरक्षा और संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर नजर रखने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने एक लाख पोलिंग बूथ पर कैमरे लगाए हैं। वेबकास्टिंग से इन सभी केन्द्रों पर राज्य निर्वाचन आयोग की नजर रहेगी। इस बार एक लाख 74,351 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं, जिससे कि कोरोना गाइडलाइन का पालन हो सके। कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर की चुनौती के बीच चुनाव आयोग ने प्रदेश में शांतिपूर्ण व निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए कमर कस ली है।

एक लाख पोलिंग बूथों पर रहेगी आनलाइन नजर : विधानसभा चुनाव में इस बार कोई गड़बड़ न हो इसके लिए कड़ी निगरानी के इंतजाम हैं। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदान के दिन बूथों पर आनलाइन नजर रखने के लिए एक लाख पोलिंग बूथों की

वेबकास्टिंग कराने का निर्णय लिया है। प्रदेश में कुल 1.74 लाख पोलिंग बूथ हैं। पहली बार आधे से अधिक करीब एक लाख पोलिंग बूथों पर वेबकास्टिंग होगी। वर्ष 2017 के विधान सभा चुनाव में 14,715 बूथों पर वेबकास्टिंग कराई गई थी। 2019 के लोक सभा चुनाव में 16707 बूथों पर वेबकास्टिंग के जरिए आनलाइन नजर रखी गई थी।

अखिलेश यादव का आगरा में बड़ा दांव, अटल जी को लेकर बड़ा ऐलान, जरूरत पड़ी तो बाह को बनाएंगे जिला

आगरा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को आगरा के बाह विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने यहां की जनता से वादा किया कि यदि जरूरत पड़ी तो बाह को जिला बनाने से वह पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि आगरा पर्यटन का केंद्र है तो बटेश्वर में धार्मिक पर्यटन महत्व भी कम नहीं है। इस क्षेत्र में विकास की बहुत जरूरत है। इसलिए जरूरत पड़ने पर इसे जिला बनाया जाएगा। उन्होंने यहां की जनता से वादा किया कि प्रदेश में सपा की सरकार बनने पर बाह में अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर विश्वविद्यालय बनाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर हमला बोलते हुए कहा कि बाबा गर्मी निकालने की बात करते हैं और हम गर्मी और सर्दी निकालने की बात नहीं करते। हम नौजवानों को पुलिस में भर्ती करने की बात करते हैं। उन्हें रोजगार दिलाने की बात करते हैं। उन्होंने भाजपा सरकार पर निशाना

साधते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने नौजवानों का रोजगार छीनकर उन्हें घर बैठाने का काम किया। बाह क्षेत्र का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा सरकार रोजगार विकसित करने के लिए इस क्षेत्र में कोई उद्योग स्थापित नहीं कर पाई। न ही रोजगार के दूसरे संसाधन ही विकसित किए गए। नहरें हैं लेकिन खेतों की सिंचाई के लिए पानी नहीं है। गठबंधन की सरकार बनने पर पानी लाने के लिए हम विशेष योजनाएं बनाएंगे। उन्होंने भाजपा को हराने की अपील करते हुए कहा कि ये चुनाव यूपी के भविष्य का चुनाव है। संविधान को बचाने का चुनाव है। बाह में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर करने की जरूरत है। भाजपा सरकार ने महंगाई बढ़ाई। उन्होंने बाह में पार्टी प्रत्याशी मधुसूदन शर्मा को जिताने की अपील की। इसके बाद वह एत्मादपुर विधानसभा क्षेत्र के खंदौली में सभा करने के लिए रवाना हो गए। इससे पहले सभी ने स्वर कोकिला लता मंगेश्वर के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

हापुड़ में भाजपा के जिला प्रभारी पर उस्तरे से हमला, गाड़ी में तोड़फोड़ कर आरोपित फरार

हापुड़। भाजपा के जिला प्रभारी व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मान सिंह गोस्वामी पर शनिवार देर रात बाइक सवार दो बदमाशों ने हमला कर उस्तरे से वार कर गाड़ी के शीशे तोड़ दिए। हालांकि उन्हें गंभीर चोट नहीं आई। सूचना मिलने पर भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकताओं में रोष व्याप्त हो गया और वह बाबूगढ़ थाने पहुंचे गए और जमकर हंगामा किया। भाजपाइयों ने आरोपितों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है। शनिवार की रात भाजपा के जिला प्रभारी मान सिंह गोस्वामी बाबूगढ़ क्षेत्र में ग्राम भिकनपुर समेत अन्य गांवों में जनसंपर्क कर लौट रहे थे। जैसे ही वह ग्राम बछलौता के पास पहुंचे तो पहले से ही बाइक सवार दो युवकों वहां खड़े थे। उन्होंने भाजपा के जिला प्रभारी की गाड़ी रोक ली। बताया गया कि आरोपितों ने गाड़ी रोकी और पूछा की मान सिंह गोस्वामी से बात करनी है। संदिग्ध युवकों को देख मान सिंह गोस्वामी ने कहा कि वह राम सिंह गोस्वामी हैं। मौके पाकर आरोपितों ने उन पर उस्तरे से वार कर दिया और गाड़ी में तोड़फोड़ कर दी। किसी तरह वह बाबूगढ़ थाने पहुंचे। भाजपा के जिला प्रभारी पर हमले की सूचना मिलने पर पदाधिकारी और कार्यकताओं में रोष व्याप्त हो गया। आनन फानन में भाजपा के क्षेत्रीय महामंत्री विकास अग्रवाल, जिलाध्यक्ष उमेश राणा, पालिकाध्यक्ष प्रफुल्ल सारस्वत, हापुड़ सीट से प्रत्याशी विजय पाल आढ़तीसमेत अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। भाजपाइयों ने आरोपितों की गिरफ्तार की मांग की।

45 बोरों में भरे थे 2500 प्रतिबंधित सिंदूरी कछुए, एसटीएफ ने कानपुर में दो तस्करों को पकड़ा

कानपुर। एसटीएफ की कानपुर इकाई ने चकेरी थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित प्रजाति के सिंदूरी कछुओं की तस्करी का पदार्फाश किया। दो तस्करों को गिरफ्तार करके बड़ी मात्रा में कछुए बरामद गिए हैं। ये सभी कछुए ट्रक में लदी सनमाइका में छिपाकर कोलकाता ले जाए जा रहे थे। एसटीएम ने ट्रक कब्जे में लेकर तस्करों से पूछताछ शुरू करके गिरोह का पता लगाने का प्रयास शुरू किया है। एसटीएफ पिछले कई महीनों से सिंदूरी कछुओं की तस्करी करने वालों की धरपकड़ में लगी हुई है और कई बार सफलता भी मिल चुकी है। एसटीएफ सूत्रों के मुताबिक रविवार को सूचना मिली के हरियाणा नंबर के एक ट्राला में प्रतिबंधित कछुओं को लाद कर ले जा रहा है। पुलिस ने सूचना के आधार पर ट्राला को रुकवाया तो बाहर से देखने पर सनमाइका लदी हुई मिली। एसटीएफ की टीम ने सनमाइका हटाकर देखा तो पीछे बोरे रखे मिले। एसटीएफ टीम ने बोरों को खोलकर देखा तो अंदर सिंदूरी प्रजाति के कछुए भरे थे।

मायावती ने कहा, बसपा की सरकार में सपा भाजपा की तरह कानून का मजाक नहीं बनेगा

अलीगढ़। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने रविवार को बसपा कार्यकर्ता व प्रत्याशियों में जोश भरा। उन्होंने नुमाइश मैदान पर आयोजित जनसभा में बसपा प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने 2007 की तरह वापस सरकार में आने का दावा किया है। साथ ही कांग्रेस व भाजपा पर हमला बोला। कहा, हम अकेले अपने दम पर चुनाव लड़ रहे हैं। इस बार प्रदेश को भाजपा की तानाशाही से मुक्त होना है। हमने पहले की तरह उसी अनुपात में सर्वसमाज को टिकट दी हैं। कांग्रेस गलत नीतियों से बाहर नहीं आई। इसलिए सत्ता से बाहर हुई। कांग्रेस दलित विरोधी है। कांशाराम, भामराव आबेडकर को भारत रत्न नहीं दिया। इस सम्मान के वे पात्र थे। कांशाराम के निधन के बाद राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया था। अब सत्ता से बाहर होने पर कांग्रेस दलितों पर डोरे डाल रही है। कांग्रेस के जब अच्छे दिन होते हैं तो दलित इसे याद नहीं आए। अब सपा व भाजपा सरकार से जनता

दुखी है। सपा में गुंडे और माफिया का बोलबाला रहा है। दंगा कराने वाले यहां ज्यादा हैं। विकास के कार्य भी यहां विशेष क्षेत्र में हुए हैं। दलितों के साथ सौतेला व्यवहार हुआ है। पूर्व में अखिलेश सरकार में दलितों का आरक्षण खत्म कर दिया गया था। इसकी व्यवस्था बसपा ने की थी। पदन्नति का बिल भी फाड़ दिया। जिले के नाम बदल दिए। हाथरस, हापुड़ के नाम पुराने की कर दिए। कोर्ट के निर्णय की आड़ में दलितों का डिमोशन किया गया। छात्र प्रति पूर्ति रोकने का काम किया गया। लखनऊ के गोमती नगर में भीमराम आंबेडकर पार्क का नाम बदल दिया गया। जमीन में बी नियम बदले गए हैं। सपा की सरकार में दलितों के साथ अन्याय व अत्याचार किया गया। ये दलितों के दुश्मन हैं। अवसरवादी हैं। अब किसी भी कीमत पर सत्ता में नहीं आने देना। मैं सोच रही थी कि सपा के जाने के बाद भाजपा भेदभाव नहीं करेगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इनमें भी जातिवादी साफ झलकती है। यहां अब पूंजीवादी व आरएसएस की मानसिकता चल रही है। अपराध बढ़े हैं।

यूपी पुलिस की मुश्किल, अब दिल्ली में सीबीआइ की विशेष अदालत करेगी मनीष हत्याकांड की सुनवाई

लखनऊ। कानपुर के कारोबारी मनीष गुप्ता की हत्या के मामले में निरुद्ध अभियुक्त पुलिसवाले शनिवार को गोरखपुर जेल से जरिए वीडियो कांफ्रेसिंग सीबीआइ की विशेष अदालत के समक्ष पेश हुए। सीबीआइ की विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट यशा शर्मा ने अभियुक्तों की न्यायिक हिरासत की अवधि बढ़ाते हुए अब इस मामले की अगली सुनवाई 14 फरवरी को तय की है। हालांकि तय तारीख से पहले इस मामले की पत्रावली दिल्ली की विशेष सीबीआई अदालत को संदर्भित कर दी जाएगी। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश के मुताबिक अब इस मामले का विचारण दिल्ली की सीबीआइ अदालत में होगा। इस बात की जानकारी मनीष गुप्ता की पत्नी मीनाक्षी के अधिवक्ता केके शुक्ला ने दी है। मीनाक्षी ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर इस मुकदमे की सुनवाई दिल्ली की सीबीआइ अदालत में कराने की मांग भी की थी।

अब्दुल्ला आजम का मुरादाबाद के कमिश्नर को खुला चैलेंज, बोले- नौकरी छोड़कर चुनाव लड़ लें

रामपुर। सांसद आजम खां के बेटे एवं स्वार-टांडा से सपा प्रत्याशी अब्दुल्ला आजम ने चुनाव में अपने पिता के राजनीतिक अंदाज को कापी कर लिया हैं। वे पिता की तरह रामपुर के नवाब खानदान को चुनौती देते हैं। अफसरों को भी उसी तरह निशाने पर ले रहे हैं। पिता आजम खां को जेल भिजवाने वाले मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह के लिए तो सीधे बोलते हैं कि, अगर उन्हें राजनीति का इतना शौक है तो, चुनाव लड़ लें। मंडलायुक्त ने रामपुर में जिलाधिकारी रहते आजम खां के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई की थी। आजम खां और उनकी पत्नी और बेटे को जेल जाना पड़ा था।समाजवादी पार्टी रामपुर में पहली बार आजम खां के बगैर विधानसभा चुनाव लड़ रही है। वह सीतापुर जेल से 10 वीं बार विधायक बनने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। उनके बेटे अब्दुल्ला आजम भी 23 माह बाद जेल से बाहर आए हैं। वह स्वार सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। अब्दुल्ला के कंधों पर अपने चुनाव के साथ ही आजम खां की रामपुर सीट केचुनाव की भी बागडोर है। वे आजम खां के अंदाज में भाषण देते हैं। आजम नवाब खानदान पर निशाना साधते थे, ठीक उसी अंदाज में तीर चलाते हैं। पिता की तरह ही हाथ उठाकर अधिकारियों पर निशाना साध रहे हैं। पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान आजम ने तत्कालीन जिलाधिकारी से जूते साफ कराने की बात कही थी। कई बार तीखे भाषण दिए, तब आपत्तिजनक भाषण देने पर उनके खिलाफ मुकदमे भी हुए थे। अब वे कमिश्नर बन गए हैं तो, अब्दुल्ला उन पर भी निशाना साध रहे हैं। अभी खजान खां का कुंआ मुहल्ले में हुई जनसभा में उन्होंने कहा कि कमिश्नर साहब ने रामपुर को अपनी नाक का सवाल बना लिया है। पुलिस के जरिये लोगों का उत्पीड़न कराया जा रहा है। उन्हें अगर सियासत का इतना ही शौक है तो नौकरी छोड़ें और चुनाव लड़ लें। उन्होंने इससे पहले कमिश्नर पर भाजपा नेताओं के साथ साजिश करने का आरोप भी लगाया था।

पुलिस चौकी के पास डकैती डालने वाले बदमाशों का नहीं मिला सुराग

अलीगढ़। अलीगढ़ में दस फरवरी को चुनाव है। इसको लेकर पुलिस बेहद सक्रिय है। सासनीगेट थाना की एडीए चौकी के पास पाश कालोनी आरकेपुरम में शनिवार रात डकैती पड़ गई। डकैती करने वाले बदमाशों की तलाश में पुलिस की तीन टीमें लगाई गई हैं। जो लोग घर में मौजूद थे, पुलिस ने उनसे लंबी पूछताछ की। साथ ही इलाके के सीसीटीवी कैमरे खंगाले। आरोपों के आधार पर पुलिस महिला के दामाद से भी संपर्क कर रही है। मगर पुलिस को कोई सुराग नहीं मिला है। आरकेपुरम में शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त कोमल सिंह तोमर का मकान है। कोमल की मौत हो चुकी है। फिलहाल घर में उनकी पत्नी मीना देवी, दो बेटियां (नेहा व मेघा) और बेटा नितेश रहते हैं। बड़ी बेटी नेहा की वर्ष 2013 में मेरठ निवासी कर्नल से शादी हो चुकी है। लेकिन, पति से विवाद के चलते नेहा भी करीब छह साल से अपने सात साल के बेटे के साथ मायके में ही रह रही हैं।

कोतवाली नगर व स्वाट टीम को मिली बड़ी कामयाबी, 4 अभियुक्त गिरफ्तार

मऊ। शुक्रवार को समय करीब 11.10 बजे बड़ी कम्हरिया के पास जनपद की स्वाट टीम व कोतवाली नगर द्वारा चार अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। प्रेसवार्ता में जानकारी देते

हुए क्षेत्राधिकारी नगर धनंजय मिश्र ने बताया कि मुखबीर की सूचना पर बड़ी कम्हरिया के पास से नितेश कुमार पुत्र पिन्टू राम निवासी खुरहट, सोनू यादव पुत्र रामचन्द्र यादव निवासी भरबीपुर, मुकेश कुमार उर्फ बाबी पुत्र बृजेश राम निवासी एकौना पाट तथा राम प्रवेश यादव पुत्र कल्पनाथ यादव निवासी भरथीपुर को गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से 02 चोरी की मोटरसाइकिल तथा अलग. 2 जगहों से चोरी किये गये 19 एन्ड्राइड मोबाइल फोन व 01 कीपेड फोन कुल 20 मोबाइल फोन तथा एक अदद देशी तमंचा व एक अदद जिन्दा कारतूस बरामद हुआ। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तों के विरुद्ध थाना कोतवाली में मु0अ0स0 66/2022 धारा 411,413,414,420 भादवि व कायमी मु०अ०स० 67/2022 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर अभियुक्तों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार त्रिपाठी थाना कोतवाली, उ0नि0 सच्चिदानन्द यादव स्वाट टीम प्रभारी, उ0निराजेश कुमार वर्मा थाना कोतवाली नगर, उ0नि0 गंगाराम बिन्द थाना कोतवाली नगर, हे0का0 अजय यादव स्वाट टीम, हे0का0 विकासवादव स्वाट टीम, हे0का0 राजू सिंह स्वाट टीम, का० नीरज यादव स्वाट टीम आदि पुलिसकर्मी रहे।

हनुमान मंदिर का ताला तोड़कर चोरों ने उड़ाये दानपात्र, घंटा व इनवर्टर

मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ। कोतवाली क्षेत्र के खुशामदपुर गांव के टीपक्काबाद मौजा में स्थित हनुमान मंदिर का शुक्रवार की रात ताला तोड़कर चोरों ने मंदिर में रखें इनवर्टर, बैटरी, साउंड सिस्टम, दानपात्र, घंटा आदि चुरा लिया। सुबह मंदिर में पूजा करने जाने पर पुजारी को जानकारी हुई तो उसने शोर मचाया। जानकारी पर सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जुट गए। पुलिस को जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस घटना की जांच करने में जुटी थी। संबंध में ग्रामीणों ने चोरी की तहरीर दिया है। खुशामदपुर गांव में चिरैयाकोट मुख्य मार्ग से बंदिकला गांव को जाने वाले रोड पर हनुमान मंदिर है। अभी 1 साल पहले ही भव्य मंदिर का निर्माण कराया गया है। मंदिर में बजरंगबली समेत अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियां स्थापित की गई है। ग्रामीणों ने चंदा कर उसमें इनवर्टर, बैट्री, माइक, साउंड, इत्यादि की व्यवस्था किया था। शुक्रवार की रात अज्ञात चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर मंदिर से उक्त सभी सामान चुरा लिया। सुबह 4 बजे मंदिर के पुजारी केदार पांडे जब पूजा करने पहुंचे तो मंदिर का ताला टूटा मिला और अंदर से सभी सामान गायब था। पुजारी ने गांव के लोगों को चोरी की जानकारी दिया। मंदिर में चोरी की जानकारी पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अलंकार यादव, विरेंद्र तिवारी, पूर्व प्रधान छोटू प्रसाद आदि समेत सैकड़ों ग्रामीण मौके पर आ गए। पुलिस को सूचना दी गई मौके पर पहुंचे क्षेत्रीय दरोगा और 112 नंबर पुलिस ने घटना की जानकारी प्राप्त किया। बता दें कि उक्त गांव में विगत डेढ़ महीने के अंदर चोरी की दूसरी घटना है। पहली घटना में भी चोरों ने एक अन्य मंदिर में से इनवर्टर, बैटरी, साउंड सिस्टम समेत अन्य सामान चुरा लिया था लेकिन पुलिस ने चोरी की रिपोर्ट नहीं दर्ज किया। उस घटना में भी कोई कार्यवाही ना होने से चोरों ने मंदिर में चोरी की दूसरी घटना को अंजाम दिया है जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है।

दिशा आईटीआई में कैंपस प्लेसमेंट कार्यक्रम का हुआ आयोजन

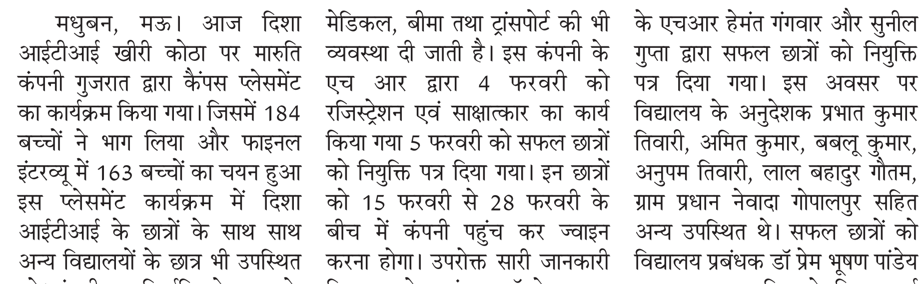

163 छात्रों का हुआ चयन

मधुबन, मऊ। आज दिशा आईटीआई खीरी कोठा पर मारुति कंपनी गुजरात द्वारा कैंपस प्लेसमेंट का कार्यक्रम किया गया। जिसमें 184 बच्चों ने भाग लिया और फाइनल इंटरव्यू में 163 बच्चों का चयन हुआ इस प्लेसमेंट कार्यक्रम में दिशा आईटीआई के छात्रों के साथ साथ अन्य विद्यालयों के छात्र भी उपस्थित रहे। कंपनी द्वारा निर्धारित वेतनमान के साथ साथ यूनिफॉर्म, कैंटीन, मेडिकल, बीमा तथा ट्रांसपोर्ट की भी व्यवस्था दी जाती है। इस कंपनी के एच आर द्वारा 4 फरवरी को रजिस्ट्रेशन एवं साक्षात्कार का कार्य किया गया 5 फरवरी को सफल छात्रों को नियुक्ति पत्र दिया गया। इन छात्रों को 15 फरवरी से 28 फरवरी के बीच में कंपनी पहुंच कर ज्वाइन करना होगा। उपरोक्त सारी जानकारी विद्यालय के प्रबंधक डॉ प्रेम भूषण पांडेय ने दिया। इस कार्यक्रम में कंपनी के एचआर हेमंत गंगवार और सुनील गुप्ता द्वारा सफल छात्रों को नियुक्ति पत्र दिया गया। इस अवसर पर विद्यालय के अनुदेशक प्रभात कुमार तिवारी, अमित कुमार, बबलू कुमार, अनुपम तिवारी, लाल बहादुर गौतम, ग्राम प्रधान नेवादा गोपालपुर सहित अन्य उपस्थित थे। सफल छात्रों को विद्यालय प्रबंधक डॉ प्रेम भूषण पांडेय द्वारा उज्जवल भविष्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दिया गया।

1000वें वनडे में जीत के लिए खेलेगा भारत

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज का पहला मुकाबला आज

ईशान और शाहरुख भारतीय टीम में शामिल

अखिल भारतीय सीनियर चयन समिति ने पहले वनडे मैच के लिए ईशान किशन और शाहरुख खान को भारतीय टीम में शामिल किया है। बीसीसीआई की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक धवन, श्रेयस, रुतुराज और अन्य कई खिलाड़ियों के वनडे सीरीज की शुरुआत से पहले कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद ईशान और शाहरुख को पहले वनडे के लिए टीम में जोड़ा गया है। **पहले वनडे के लिए भारतीय टीम** : रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, वॉशिंगटन , रवि बिश्नोई, सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आवेश खान, ईशान किशन, शाहरुख खान।

केवल एक सीरीज हारने से घबराने की जरूरत नहीं

नवनियुक्त कप्तान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई श्रृंखला में भारत के प्रदर्शन का आकलन करते हुए कहा, केवल एक श्रृंखला हारने से घबराने की जरूरत नहीं है। दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला से हमें एक सीख मिली है। हमें बहुत कुछ बदलने के लिए जरूरत नहीं है। सिर्फ अलग-अलग परिस्थितियों में खुद को ढालने की जरूरत है। कुछ वर्षों से हमने वनडे क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर मैं गलत नहीं हूं तो हमारी वनडे क्रिकेट में जीत प्रतिशत 70 फीसदी से ज्यादा की है। अगर कहीं बदलाव की जरूरत होगी तो हमें उसे करना होगा। हमें दूसरी टीमों की नक्ल करने की जरूरत नहीं है। उनका नजरिया और सेट-अप अलग है। मेरा नजरिया अलग है।

अहमदाबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के लिए रविवार को यहां नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मैच कई मायनों में बेहद खास होगा। भारत के लिए यह मैच सबसे ज्यादा इसलिए खास है, क्योंकि यह उसका 1000वां वनडे मैच होगा और वह इसे जीत कर इसे और भी खास बनाना चाहेगा।

भारतीय टीम ने अब तक 999 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें उसने 518 जीतें और 431 हारे हैं, जबकि नौ मैच टाई और 41 का बेनतीजा रहे हैं। भारत का वनडे में ओवरऑल जीत प्रतिशत 54.54 है। दूसरी खास बात यह है कि सफेद गेंद टीम के नवनियुक्त कप्तान रोहित शर्मा कल के इस मैच के साथ पूर्ण रूप से सभी वाइट बॉल प्रारूपों में अपनी भूमिका संभालेंगे। उनके सामने हालांकि कड़ी चुनौतियां होंगी, क्योंकि वेस्ट इंडीज की टीम, जो पिछली टी-20 सीरीज में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक इंग्लैंड को 3-2 से हरा कर आई है और अच्छे फॉर्म में दिख रही है।

धवन की जगह रोहित के साथ ईशान किशन करेंगे ओपनिंग

भारत के नए वनडे कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि पहले वनडे में वह धवन की जगह ईशान किशन के साथ पारी का आगाज करेंगे, क्योंकि टीम में इस युवा के अलावा कोई विकल्प उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने कहा,मयंक को टीम में शामिल किया गया था, पर वह अब भी क्वारंटाइन में हैं। वह देर से टीम से जुड़े और हमारे कुछ नियम हैं। अगर कोई यात्रा करता है तो हम उसे तीन दिन के अनिवार्य क्वारंटीन में रखते हैं।

चहल-कुलदीप को फिर से साथ लाना चाहता हूं: रोहित

रोहित ने वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, चहल और कुलदीप हमारे लिए अतीत में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्होंने बहुत प्रभाव डाला है। वे अलग-अलग संयोजनों के कारण बाहर हो गए थे, जो हम चाहते थे, लेकिन यह निश्चित रूप से मेरे दिमाग में है कि मैं उन्हें एक साथ वापस लाऊं। भारतीय चयनकर्ताओं को हालांकि हाल के परिणाम के मद्देनजर अधिक प्रभावशाली खिलाड़ियों की तलाश के लिए मजबूर होना पड़ा। यही वजह है कि टीम में युवा प्रतिभाशाली लेग स्पिनर रवि बिश्नोई को टीम में शामिल किया गया है।

विराट ने जहां टीम को छोड़ा है, वहां से टीम को आगे ले जाएंगे: रोहित शर्मा

रोहित ने कहा, विराट ने जहां टीम को छोड़ा है, वह वहां से टीम को आगे ले जाएंगे। मुझे सिर्फ इसे वहीं से ले जाना है जहां से विराट ने छोड़ा था। हम उसी आकार को बनाए रखना रखना चाहते हैं। हमें परिस्थितियों के अनुसार ढलने की जरूरत है। ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे मुझे बहुत ज्यादा बदलने की जरूरत है। उन्होंने टेस्ट कप्तानी मिलने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर कहा, इसके लिए समय है। मेरा ध्यान सीमित ओवरों के क्रिकेट पर है। वर्क लोड मैनेज करना महत्वपूर्ण है। हम कुछ सीरीज गंवा सकते हैं, क्योंकि हमें खिलाड़ियों को बदलते रहने की जरूरत है, लेकिन हम इसके लिए तैयार हैं। उल्लेखनीय है कि रोहित के लिए वेस्ट इंडीज के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज बतौर कप्तान पहली सीरीज है। वह पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम की कमान संभालने वाले थे, लेकिन हेमस्ट्रिंग की चोट के कारण उन्हें टीम से बाहर होना पड़ा और उनकी जगह लोकेश राहुल को टीम का कप्तान बनाया गया था।

हर भूमिका के लिए सबको रहना होगा तैयार

कप्तान ने कहा खिलाड़ियों के संक्रमित होने के मामले में कहा कि कोविड को लेकर यह अनुमान लगाना कठिन है कि इसे ठीक होने में कितना समय लगेगा। हमारे पॉजिटिव खिलाड़ी आइसोलेशन में हैं। सभी जानते हैं कि उन्हें कभी भी मौका मिल सकता है। हमने स्पष्ट कर दिया है कि किसी को भी कोई भी भूमिका निभानी पड़ सकती है। अभी जो खिलाड़ी आ रहे हैं, उन्होंने ज्यादा वनडे क्रिकेट नहीं खेला है। उन्हें टीम के साथ सामंजस्य बैठाने के लिए हमें उनका समर्थन करना होगा। हमारे पास समय है और हम अगले कुछ महीनों में चीजों को अलग तरीके से करने की कोशिश करेंगे। अगर यह काम करता है तो यह काम करता है लेकिन हमारे पास हमेशा प्लान बी होता है। रोहित ने फिनिशर के लिए विकल्पों को तलाशने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हां, फिनिशर की भूमिका अहम होती है। धोनी के बाद हार्दिक ने उस भूमिका में अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन हमें और विकल्पों की जरूरत है। जिसे भी मौका मिले उसे हथियाना चाहिए। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है। हमें उस स्थिति में आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी करने के लिए किसी की जरूरत है।

मोहम्मद शहजाद का मैदान पर सिगरेट पीते फोटो वायरल

अधिकारियों ने लगाई फटकार, अनुशासनात्मक खाते में एक डीमेरिट पॉइंट भी जुड़ा

ढाका। बांग्लादेश की टी20 लीग बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) में अफगानिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद शहजाद मिनिस्ट ग्रुप ढाका की टीम का हिस्सा हैं। शुक्रवार को लीग में दो मुकाबले होने थे, लेकिन बारिश की वजह से दोनों को रद्द करने पड़े। एक मैच में मिनिस्ट ग्रुप ढाका को कोमिला विक्टोरियन से भिड़ना था। इस मैच के शुरू होने के इंतजार में दोनों टीमों के खिलाड़ी शेर ए बंग्ला स्टेडियम पर थे, तभी मोहम्मद शहजाद को सिगरेट पीते देखा गया। कुछ ही समय में उनकी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई।

इस घटना पर मैच अधिकारियों की भी नजर गई। उन्होंने एक्शन लेते हुए शहजाद को फटकार लगाई। उनका एक्शन बीसीबी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.20 का उल्लंघन है, जो आचरण जो खेल की भावना के विपरीत है से संबंधित है। जिसके कारण उनके अनुशासनात्मक खाते में एक डीमेरिट पॉइंट भी जोड़ दिया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने बयान जारी कर बताया कि शहजाद ने अपनी गलती मान ली है, जिसकी वजह से सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। मैच रेफरी नीयामुर रशीद ने उनके ऊपर यह आरोप लगया था। रिपोर्ट की माने तो सबसे पहले ढाका टीम के कोच मिजनुर रहमान ने शहजाद को मैदान पर स्मोक करने से रोका था। इसके बाद तमीम इकबाल ने विकेटकीपर बल्लेबाज को ड्रेसिंग रूम में जाने को कहा। इस घटना के बारे में बोलते हुए तकनीकी समिति के बीसीबी संयोजक रोकीबुल हसन ने विकेटकीपर बल्लेबाज की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि मैदान के अंदर स्मोक करने पर पूरी तरह पाबंदी है। इस टूर्नामेंट में शहजाद बल्ले से कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्हें अभी तक 6 पारियों में बल्लेबाजी करने का मौका मिला है, जिसमें उनके नाम 20 की औसत से 120 रन हैं। वे 4 बार दहाई के स्कोर तक भी नहीं पहुंच पाए। उनकी दो अन्य पारियां 53 और 42 रन की रही।

एमिल टाटा ओपन के फाइनल में

पुणे। फिनलैंड के युवा खिलाड़ी एमिल रूसुवुओरी ने शनिवार को यहां सेमीफाइनल में कामिल माशजाक पर जीत से टाटा ओपन महाराष्ट्र के फाइनल में प्रवेश किया और पहला एटीपी विश्व टूर खिताब जीतने का मौका हासिल किया।

बाईस साल के रूसुवुओरो ने बालेवाड़ी खेल परिसर में एक घंटे 46 मिनट तक चले चुनौतीपूर्ण मुकाबले में कामिल को 6-3, 7-6 से शिकस्त दी। वहीं दूसरे सेट में एमिल आक्रामक कामिल के सामने दबाव में आ गये थे लेकिन फिनलैंड के खिलाड़ी ने टाइब्रेकर में 5-0 की बढ़त बनाकर लगातार ऐस लगाकर जीत दर्ज की।

पीकेएल-8 : रोमांचक मुकाबले में मुम्बा ने थलाइवाज को हराया

बेंगलुरु। यू मुम्बा ने अपने आलराउंड प्रदर्शन के दम पर शनिवार को वीवो प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सीजन के 95वें मैच में तमिल थलाइवाज को तीन अंक से हरा दिया। 6 फरवरी तक चलने वाले राइवलरी वीक के तहत खेले गए इस मुकाबले में मुम्बा ने 35-33 की जीत के साथ अंक तालिका में चौथा स्थान हासिल कर लिया है।

मुम्बा की जीत के हीरो अभिषेक सिंह (9 रेड अंक, 1 टैकल अंक) के अलावा वी अजीत कुमार (7 अंक) रहे। डिफेंस में रिंकू, राहुल सेठपाल और फजल अतराचली ने तीन-तीन अंक लिए। दूसरे हाफ में बेहतर खेल दिखाते हुए शानदार वापसी करने वाली थलाइवाज के लिए मंजीत ने सात, अजिंक्य पवार ने सात और डिफेंडर सागर ने चार अंक लिए। छह मिनट के बाद स्कोर मुम्बा के पक्ष में 7-3 था। वहीं एक अन्य मुकाबले में लगातार चार हार झेलने के बाद यूपी योद्धा ने आखिरकार अपनी हार का सिलसिला तोड़ते हुए अंक तालिका में दो स्थान की छलांग लगा ली है। यूपी ने अंतिम पांच मिनट में अपने बेहतरीन खेल की बदौलत तेलुगू टाइटंस को चार अंक से हराया। राइवलरी वीक के तहत खेले गए इस मुकाबले में यूपी ने 39-35 से बाजी मारी।

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे स्थान के साथ खत्म किया अपना अभियान

अंडर-19 विश्व कप: अफगानिस्तान को दो विकेट से हराया

एंटीगुआ। ऑलराउंडर निवेथन राधाकृष्णन (66 रन, 31 रन पर तीन विकेट) के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन और सलामी बल्लेबाज कैम्पबेल केलावे (51) के बेहतरीन अर्धशतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने लॉ स्कोरिंग मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ दो विकेट से रोमांचक जीत के साथ तीसरे स्थान पर अपना पुरुष अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप अभियान समाप्त किया।

अफगानिस्तान टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.2 ओवर में 201 रन ही बना पाया। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए शुरुआत तो अच्छी की, लेकिन लक्ष्य के करीब पहुंचते-पहुंचते उसकी पारी लड़खड़ा गई। ऑस्ट्रेलिया ने हालांकि आठ विकेट गिरने के बावजूद 49.1 ओवर में 202 रन बना कर मैच जीत लिया। सलामी बल्लेबाजों कैम्पबेल केलावे और टीग विली ने ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी हुई और फिर विली के आउट होने के बाद निवेथन और कैम्पबेल के बीच दूसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदार की, लेकिन इसके बाद ऑस्ट्रेलिया एकाएक विकेट खोता गया और मैच आखिरी ओवर तक पहुंच गया। निवेथन ने गेंदबाजी में 10 ओवर में 31 रन पर तीन और बल्लेबाजी में सात चौकों की मदद से 96 गेंदों पर 66 रन बना कर गेंद और बल्ले के साथ सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया। कैम्पबेल ने 51 रन की पारी खेली। वहीं अफगानिस्तान की ओर से ऑलराउंडर एजाज अहमद अहमदजई ने 81 रन की शानदार पारी खेली, जबकि गेंदबाजी में लेफ्ट आर्म स्पिनर नांगेलिया खरोटे ने 9.1 ओवर में 35 रन पर सर्वाधिक तीन तथा शाहिदुल्ला हसनी और नूर अहमद ने दो-दो विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच के पद से हटे लैंगर

लैंगर की जगह फिलहाल एंड्रयू मैकडॉनल्ड अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त

मेलबर्न । जस्टिन लैंगर ने ऑस्ट्रेलिया की पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने शनिवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि लैंगर की जगह पर फिलहाल एंड्रयू मैकडॉनल्ड को अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया गया है।

वह श्रीलंका के खिलाफ आगामी टी-20 सीरीज से कामकाज संभालेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा, हमने पुरुष टीम के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। उन्होंने हमें आज इस्तीफा सौंपा था। लैंगर को उनके वर्तमान अनुबंध में कुछ समय के विस्तार की पेशकश की गई थी, जिसे उन्होंने स्वीकार नहीं किया। उन्हें भविष्य की आवश्यकताओं और आगामी शेड्यूल सहित कई कारकों का मूल्यांकन करने के बाद उनके अनुबंध को बढ़ाने की पेशकश की गई थी। विस्तार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया बोर्ड द्वारा मंजूरी दी गई थी और शुक्रवार रात इसे लैंगर के सामने पेश किया गया था, जिसमें इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप खिताब को डिफेंड करने का अवसर शामिल था, लेकिन लैंगर ने आज सुबह हमें बताया कि वह इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं कर रहे हैं और तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे रहे हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने इस बारे में कहा, लैंगर पिछले चार वर्षों से ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के एक बहतरीन कोच रहे हैं। वह टीम में फिर से विश्वास लेकर आए हैं। 2018 में पदभार संभालने के बाद से हमें उनकी उपलब्धियों पर बेहद गर्व है, जिसमें हाल ही में 2021 टी-20 विश्व कप जीत और एशेज की सफलता शामिल है। निश्चित रूप से हम निराश हैं कि जस्टिन ने कोच के पद पर बने रहने के उलट इसे छोड़ने का फैसला किया है, लेकिन हम उनके फैसले का सम्मान करते हैं और भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। उल्लेखनीय है कि दक्षिण अफ्रीका में 2018 में हुए गेंद के साथ छेड़छाड़ कांड के मद्देनजर लैंगर को टीम का कोच नियुक्त किया गया था।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए दुखद दिन: रिकी पोंटिंग

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने मुख्य कोच के पद से इस्तीफा देने को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए दुखद दिन करार दिया। लैंगर ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुबंध को कुछ समय के लिए आगे बढ़ाने की प्रस्ताव को ठुकराते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पोंटिंग ने कहा, जहां तक ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का सवाल है तो यह सच में एक दुखद दिन है और अगर आप पीछे मुड़कर देखें तो पिछले छह महीनों में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के कुछ बेहतरीन लोगों के साथ जिस तरह का बर्ताव किया है वह अच्छा नहीं है। मुझे लगता है कि जिस तरह से उन्होंने उन दो मामलों को संभाला है, वह शर्मनाक है। पूर्व कप्तान ने कहा, मेरे हिसाब से उन्हें बोर्ड का पूरा समर्थन नहीं मिला। जहां तक मैं लैंगर को जानता हूं, वह इस भूमिका को जारी रखने के लिए बहुत उत्सुक थे।

एथलेटिक्स के लिए राष्ट्रीय चयन ट्रायल नौ फरवरी से होंगे शुरू

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की ओर से 17 एथलेटिक्स खेलों के लिए नौ फरवरी से राष्ट्रीय चयन ट्रायल शुरू किए जाएंगे। साई ने शनिवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि देश भर के आठ नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ट्रॉयल दो दिनों तक आयोजित किए जाएंगे। चयन प्रक्रिया 16 से 21 वर्ष के आयु वर्ग के लड़के और लड़कियों दोनों के लिए खुली है। साई से मिली जानकारी के मुताबिक लखनऊ में नौ और 10 फरवरी को मध्य दूरी और लंबी दूरी के साथ ट्रॉयल प्रक्रिया शुरू होगी। इसके बाद इंफाल में 14 और 15 फरवरी को लंबी दूरी और रेस वॉक, जबकि पटियाला में स्प्रिंट, हॉरिजॉन्टल जंप, थ्रो और संयुक्त इवेंट तथा त्रिवेंद्रम में स्प्रिंट, जंप, मध्य दूरी का ट्रायल होगा। फिर कोलकाता में 17 और 18 को स्प्रिंट और संयुक्त इवेंट्स, भोपाल में मध्य दूरी, सोनीपत में स्प्रिंट, थ्रो, संयुक्त इवेंट और रेस वॉक तथा बेंगलुरु में स्प्रिंट, जंप, मध्य दूरी, और रेस वॉक के ट्रॉयल होंगे।

चेल्सी के कोच थॉमस टुचेल हुए कोरोना संक्रमित

नई दिल्ली। इंग्लैंड की मशहूर फुटबॉल क्लब चेल्सी के कोच थॉमस टुचेल कोरोना से संक्रमित हो गए हैं। संक्रमण के कारण टुचेल शनिवार को प्लेमाउथ के खिलाफ एफए कप के चौथे दौर के मैच में हिस्सा नहीं ले पाए। प्रीमियर लीग क्लब ने के मैच से कुछ घंटे पहले इस बात की घोषणा की। टुचेल सेल्फ आइसोलेशन में चले गए हैं और क्लब के मुताबिक वो क्लब विश्व कप के लिए अगले सप्ताह अबू धाबी में टीम के साथ जुड़ सकते हैं। प्लेमाउथ के खिलाफ एफए कप मैच के बाद टीम अबूधाबी के लिए रवाना होगी। यूएफा चैंपियंस लीग की विजेता चेल्सी बुधवार को अपने सेमीफाइनल में अल जज़ीरा या एएफसी चैंपियंस लीग विजेता अल हिलाल से भिड़ेगी। बता दें कि चेल्सी की टीम साल 2012 में भी क्लब वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची थी जहां उसे ब्राजील की टीम कोरिंथियंस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

कैंसर से जूझ रहे हैं न्यूजीलैंड के केर्न्स

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर क्रिस केर्न्स आतों के कैंसर से जूझ रहे हैं। 51 साल के केर्न्स को कुछ दिन पहले ही अस्पताल से छुट्टी दी गई थी। उन्हें दिल का दौरा पड़ा था और इलाज के बाद डॉक्टरों ने उनसे घर जाने के लिए कहा था। इसके बाद उनके अंदर आंतों के कैंसर की पहचान की गई है। केर्न्स ने खुद इंस्टाग्राम पर इस बात की जानकारी दी। केर्न्स ने अपने पोस्ट में लिखा, जहां तक इस हफ्ते की बात है, मैंने सोचा था कि टॉम ब्रैडी का रिटायर होना इस हफ्ते की सबसे खराब खबर होगी, लेकिन मुझे कल बताया गया था कि मुझे आंत का कैंसर है। यह बड़ा सदमा है, नियमित जांच के बाद मैं यह उम्मीद नहीं कर रहा था। उन्होंने आगे लिखा इसलिए, जब मैं सर्जनों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत की तैयारी करता हूं, तो मुझे याद आता है कि मैं कितना भाग्यशाली हूं कि यहां पर हूं। और मैं अपने जीवन में जो कुछ भी कर पा रहा हूं उसके लिए मैं कितना भाग्यशाली हूं।

जयपुर में दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टेडियम का हुआ शिलान्यास

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में दुनिया के तीसरे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली एवं सचिव जय शाह समेत राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारी वर्चुचल मौजूद रहे। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष वैभव गहलोत ने बताया कि इस अन्तर्राष्ट्रीय स्टेडियम के प्रोजेक्ट का काम ढाई से तीन साल में पूरा करने का लक्ष्य है। जयपुर में भी 100 एकड़ की जमीन पर इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बनाया जा रहा है। यह देश का दूसरा और दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टेडियम होगा। इसमें 75 हजार दर्शकों के बैठने की क्षमता विकसित की जाएगी।

भारत को मध्यक्रम में मजबूती की जरूरत, वनडे विश्व कप से पहले बल्लेबाजी क्रम तय करें: अगरकर

अहमदाबाद। पूर्व तेज गेंदबाज अजीत अगरकर का कहना है कि भारतीय टीम को अपने मध्यक्रम को मजबूत करने के साथ घरेलू सरजमीं पर 2023 में होने वाले वनडे विश्व कप से पहले बल्लेबाजी क्रम में भी बदलाव करने की जरूरत है। भारतीय टीम इस विश्व कप के लिए अपनी तैयारी नये कप्तान रोहित शर्मा के नेतृत्व में रविवार से यहां शुरू करेगी। टीम को तीन मैचों की श्रृंखला के पहले एकदिवसीय में वेस्टइंडीज का सामना करना है। अगरकर ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, वह जो भी हो बल्लेबाज हो या जिस क्रम पर भी बल्लेबाजी करें, वहां स्थिति मजबूत करने की जरूरत है। अगर लोकेश राहुल को मध्यक्रम में बल्लेबाजी करना है तो यह अभी से ही होना चाहिये। मेरे विचार से अगर ऐसा है तो उन्हें अगले डेढ़ साल तक मध्यक्रम में ही खेलना चाहिये। उन्होंने कहा, हमारे पास चौथे, पांचवें और छठे क्रम के बल्लेबाजों की जगह तय होनी चाहिये। इन क्रमों के बल्लेबाजों में मारक क्षमता होनी चाहिये। रोहित शर्मा के पूर्ण रूप से कप्तान बनने के बाद यह पहली श्रृंखला होगी। अगरकर ने कहा, भारत को घर में हराना बहुत मुश्किल है। मुझे लगता है कि रोहित शर्मा के नये सिरे से वापस आने के साथ, भारत जीत के दावेदार के रूप में शुरूआत करेगा।

थेरेसी ने जीता बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक का पहला गोल्ड

नतालिया और स्टाडलोबर को हराया

बीजिंग। सात बार की विश्व स्कीइंग चैंपियन थेरेसी जोहॉग ने बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक का पहला गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया है।

नॉर्वे की जोहॉग ने महिला क्रॉस कंट्री स्कीइंग 7.5 किमी + 7.5 किमी स्कीएथलॉन स्वर्ण अपने नाम किया। 33 वर्षीय थेरेसी जोहॉग ने 44:13.7 के समय के साथ रशियन ओलंपिक समिति (आरओसी) की नतालिया नेप्राइवा (44: 43.9) और ऑस्ट्रिया की टेरेसा स्टाडलोबर (44: 44.2) को हराया। जोहाग ने शुरुआती चरण में 7.5 किमी क्लासिक-शैली के आधे रास्ते पर बढ़त बनाई और इसके बाद उन्होंने दूसरे चरण में रीस्टाइल स्की में भी अपने पहले ओलंपिक पदक को पक्का करने के लिए 600 मीटर की दूरी में 15 सेकंड की बढ़त बना ली। फिनिश लाइन पर आरओसी की नेप्राइवा ने रजत और ऑस्ट्रिया की टेरेसा स्टाडलोबर ने कांस्य से संतोष किया।

स्की जंपर बोगताज ने जीता स्वर्ण

स्लोवेनियाई स्की जम्पर उर्सा बोगताज ने शीतकालीन ओलंपिक में महिलाओं की सामान्य पहाड़ी व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। बोगताज ने पहले राउंड में 118.0 अंक प्राप्त करने के बाद अपनी दूसरी छलांग के लिए 121.0 अंक हासिल किए और कुल 239.0 अंकों के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। प्योंगचांग में 2018 शीतकालीन खेलों की रजत पदक विजेता जर्मनी की कैथरीना अल्थौस 236.8 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं।

स्काउटन ने रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण

नीदरलैंड की स्पीड स्केटर आइरीन स्काउटन ने शीतकालीन ओलंपिक खेलों में महिलाओं की तीन हजार मीटर स्पर्धा में ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। स्काउटन ने तीन मिनट 56.93 सैकेंड के समय के साथ एक नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाने स्वर्ण पदक हासिल किया। इटली की फ्रांसेस्का लोलोब्रिगिडा ने 3.58.06 के समय के साथ रजत, जबकि कनाडा की इसाबेल वेइडमैन ने 3.58.64 के समय के साथ कांस्य पदक जीता।

चुनाव में किसी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल उच्च अधिकारियों को अवगत कराएं : जिलाधिकारी

प्रखर जौनपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में 22, जौनपुर स्थानीय प्राधिकारी विधान परिषद निर्वाचन के संबंध में सभी कार्मिकों पीठासीन अधिकारियों को विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा कहा गया कि लोकतंत्र में प्रत्येक वोट का अपना विशेष महत्व होता है अतः सावधानी पूर्वक चुनाव संपन्न कराएं। प्रशिक्षण में बताया गया कि बैलेट पेपर पर चुनाव किस प्रकार कराया जाए, बैलट पेपर को भरते समय क्या सावधानी रखी जाए और चुनाव कराने के बाद बैलट पेपर को किस प्रकार सुरक्षित रखा जाए। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था के लिए जनपद में पुलिस की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध है किसी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जाए। उप जिला निर्वाचन अधिकारी रामप्रकाश द्वारा कहा गया कि चुनाव कराते समय कोरोना प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित कराना हमारी प्राथमिकता है और चुनाव में लगे प्रत्येक कर्मचारी का शत-प्रतिशत टीकाकरण अवश्य होना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान मतदाताओं की पहचान किस प्रकार की जाए और बूथ पर पहुंच कर किस प्रकार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर सुनील कुशवाहा के द्वारा पी.पी.टी. के माध्यम से चुनाव के संबंध में जानकारी दी गई। इस अवसर पर अपर जिला अधिकारी रजनीश राय, जिला विकासअधिकारी बीबी सिंह, उप जिलाधिकारी हिमांशु नागपाल सहित अन्य प्रभारी अधिकारी उपस्थित रहे।

उन्नाव में सड़क दुर्घटना में महिला कांस्टेबल की हुई मौत, शोक की लहर

मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ। कोतवाली क्षेत्र के हरियासपुर गांव निवासी होनहार सिपाही बिटिया की उन्नाव जनपद में आकस्मिक मौत से दो परिवारों पर विपत्ति का पहाड़ टूट पड़ा है। उन्नाव जनपद में पीआरवी में तैनात महिला कांस्टेबल की मौत की सूचना से एक तरफ जहां ससुराल और मायका दोनों जगह के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। उधर पोस्टमार्टम के बाद शव मायका में आने की सूचना पर हरियासपुर में सैकड़ो की भीड़ जुटी है। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के करहां गांव के मौजा हरियासपुर निवासी कैलाश यादव की पुत्री शशिकला यादव तीन साल पहले 2018 में पुलिस विभाग में भर्ती हुई थी। पुलिस में भर्ती होने के बाद अभी मात्र 14 माह पूर्व 30 दिसंबर 2020 को आजमगढ़ जनपद के रासेपुर गुडावर गांव निवासी आलोक यादव के साथ शादी हुई थी। इन दिनों वह उन्नाव जनपद में महिला हेल्पलाइन की पीआरवी में तैनात थी। शुक्रवार को ड्यूटी पर भ्रमण के दौरान उन्नाव हरदोई रोड पर सड़क पर एक ट्रक अनियंत्रित होकर पीआरवी वैन पर पलट गया पीआरवी में बैठे शशिकला समेत तीन पुलिस कर्मियों की दबकर मौके पर ही मौत हो गई। शशि कला की मौत की सूचना के बाद परिवार जन आवाक रह गए। पोस्टमार्टम के बाद शनिवार को शव मायका में आने की सूचना पर मायका में सैकड़ों की भीड़ जुटी थी। मृतका के अतिरिक्त उसकी दो बहनें सरस्वती और सरोज एवं भाई सत्यनारायन, शिवनारायन व शिवम के साथ मां गुलाईची का रो रो कर बुरा हाल है। शशिकला की शिक्षा-दीक्षा करहा गांव के ही इंटर कॉलेज में हुई थी। 2018 में पुलिस विभाग में भर्ती हुई थी।

संक्षिप्त खबरें

स्वर कोकिला लता मंगेशकर निधन, सपा महानगर अध्यक्ष ने दी लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। लता मंगेशकर का निधन आज ब्रीच कैंडी अस्तपाल में कोरोना संक्रमण से जंग लड़ते हुए 92 साल की उम्र में हो गया। पिछले 29 दिनों से वह ब्रीच कैंडी अस्तपाल में भर्ती थीं और उनकी स्थिति नाजुक बानी हुई थी। लता मंगेशकर के निधन पर दो दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है वहीं समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने भी स्वर कोकिला लता मंगेशकर निधन पर श्रधांजलि अर्पित किया है। श्री शर्मा ने कहा कि भारतीय संगीत को उत्कृष्टता प्रदान करने वाली सुश्री लता मंगेशकर के निधन से भारतीय कला जगत को एक अपूर्णीय क्षति हुई है। श्री शर्मा ने 2 मिनट का मौन रखकर प्रार्थना की कि श्रीप्रभु लता को अपने श्री चरणों में स्थान दें और इस दुःख की घड़ी में परिजनों को कष्ट सहने का साहस दें।

कम्प्यूटर में टाप करने वाली छात्रा को लैपटाप देकर किया गया सम्मानित

प्रखर केराकत जौनपुर। कम्प्यूटर कोर्स और जीके० की परीक्षा में टाप करने वाली छात्रा को लैपटाप देकर सम्मानित किया गया। प्रकाश यूपिका इंस्टीट्यूट जलालपुर पर शनिवार को आयोजित एक कार्यक्रम मे जिलापंचायत सदस्य प्रतिनिधि आमोद कुमार सिंह (रिंकू) एवं हिमाशूं सिंह ने कम्प्यूटर कोर्स और जीके० मे टाप करने वाली छात्रा हेमा चौधरी निवासिनी नेवादा को लैपटाप देकर सम्मानित किया। द्वितीय स्थान पर कृष्णा सोनी को टैबलेट तथा तृतीय स्थान पर अंकिता गुप्ता को नयी मोबाईल देकर सम्मानित किया गया।अन्य 25 छात्र- छात्राओं को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इंस्टीट्यूट के संचालक आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि इसके पूर्व बयालसी इंटर कालेज जलालपुर पर कम्प्यूटर कोर्स और सामान्य ज्ञान को लेकर एक परीक्षा करायी गयी थी जिसमे करीब 776 छात्र-छात्राएं शामिल हुए थे। और 900 लोगों ने फार्म भरा था।जिसमे विजेता-छात्राओं को पुरस्कार से सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया है। इस अवसर पर पूर्व प्रधान नेवादा विनोद सिंह,,शैलेन्द्र सिंह,गुलाब श्रीवास्तव, पवन कुमार गुप्त,विशालेन्द्र सिंह,विनय सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

मतदाता चुनाव में निर्भीक होकर करे मतदान : प्रभारी निरीक्षक

प्रखर केराकत जौनपुर। क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय घुरहूपुर,बलईपुर,मटियारी व लकठेपुर गॉव में प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण पर्वत ने लोगो से मीटिंग कर सकुशल चुनाव सम्पन्न कराने की अपील करते हुई चुनाव बूथों पर जाकर बारीकी से निरीक्षण कर ग्राम प्रधान, बीडीसी व बीएलओ से संपर्क कर विजली,पानी,लैट्रीन, बाथरूम व अन्य सुविधाओं को उपलब्ध कराने की बात कही। मीडिया से बात करते हुई प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि विधानसभा चुनाव को देखते हुई गॉवो में जाकर मतदाताओं से मीटिंग कर उन्हें बताया जा रहा है कि चुनाव में बढ़चढ़ कर मतदान करे।मतदान में खलल पहुचाने वाले अराजकतत्वों पर नजर रखी जा रही हैं कोई भी आपको धमकाता हैं तो तत्काल पुलिस को सूचित करें उन्होंने बताया कि आगामी चुनाव के दृष्टिगत सम्पूर्ण थाना क्षेत्रों के अंतर्गत गॉव गॉव जाकर लोगो से मीटिंग ली जा रही हैं गॉव के रजिस्टर नम्बर आठ के आधार पर गॉव के दुराचारियों को चेक किया जा रहा है और गॉवो में जितने भी पुराने मुकदमे दर्ज किये गए है उनके अभियुक्तों को चिन्हित करके पर्याप्त मात्रा में प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही की जा रही है।गॉव के मतदाताओं से मेरा यही कहने का उद्देश्य है कि चुनाव में निर्भीक होकर मतदान करे।

राष्ट्रीय हिन्दू दल ने गंगा घाट पर लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि दिया

प्रखर वाराणसी। राष्ट्रीय हिन्दू दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिन्दू नेता रोशन पाण्डेय द्वारा स्वर कोकिला भारत रत्न लता मंगेशकर को काशी के अस्सी घाट पर विनम्र श्रद्धांजलि दिया गया। श्रद्धांजलि देने के साथ ही दो मिनट का मौन रखा हिन्दू नेता रोशन पाण्डेय ने कहा कि स्वर साम्राज्ञी, परम श्रद्धेय लता मंगेशकर जी के निधन से अन्तर्मन दुख, पीड़ा, शोक से व्यथित है। देश ही नहीं, समूचे विश्व ने एक ऐसी स्वर साधिका को खो दिया, जिन्होंने अपनी मधुर आवाज से जीवन में आनंद घोलने वाले असंख्य गीत दिए। लता दीदी का तपस्वी जीवन स्वर साधना का अप्रतिम अध्याय है ईश्वर अपने श्री चरणों में उन्हें स्थान दें। इस मौके पर राष्ट्रीय हिन्दू दल के अध्यक्ष हिन्दू नेता रोशन पाण्डेय के साथ अनूप कुमार पाण्डेय, चंद्रप्रकाश उपाध्याय, रविकांत, ऋषि सिंह, आशीष चौबे,वेद प्रकाश गुप्ता, सत्यम ठाकुर, जयनेन्द्र त्रिपाठी,अनुज इत्यादि के साथ दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

बंसत पंचमी पर विशाल कुश्ती दंगल का हुआ आयोजन

घोसी, मऊ। नगर क्षेत्र के बड़ागांव पूर्वी स्थित कैलाश मान सरोवर पर शनिवार की दोपहर लगभग 12 बजे वसन्त पंचमी के अवसर पर विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन हुआ। जिसमें गोरखपुर, गाजीपुर, वाराणसी, बलिया, आजमगढ़, मऊ जनपद के पहलवानो ने दंगल के प्रति जोर आजमाइश की। कुश्ती दंगल की शुरूआत सर्वप्रथम अखाड़े का भूमि पूजन कर फीता कटाकर पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष वसीम इकबाल उर्फ चुन्नू भाई द्वारा किया गया। विशाल कुश्ती दंगल में पूर्वांचल के चर्चित पहलवानो ने कुश्ती कर जोर आजमाइश की। इसी क्रम में देवारा के भरत व भलया के जोगिंदर, मधुबन के संजय व भलया के मंगल के बीच कुश्ती काफी रोमांचक रही तो वही महिला पहलवानो ने भी अखाड़े में आजमाइश की। बता दे कि मधुबन की शिवांगी व इलाहाबाद की रोशनी के बीच कुश्ती दंगल हुआ जिसमें शिवांगी विजयी रही। कुश्ती दंगल प्रतियोगिता के अंत में आयोजक दुर्जन यादव ने दूर दराज से आये हुए पहलवानो के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दंगल में मुख्य रुप से सतीश यादव, सुनील गुप्ता, विनोद कुमार यादव, नेहाल अख्तर, खुर्शीद खान, मुन्ना गुप्ता, गोपाल साहनी, झिंनक यादव सहित दंगल प्रेमी मौजूद रहे।

बेहतर समाज व देश हित में अपनी भूमिका का निर्धारण ही जन्मदिन की वास्तविक सार्थकता है- डा. रामविलास भारती

घोसी, मऊ। जिन्दगी की कौन सी तिथि किसके लिए ऐतिहासिक हो जायेगी और उसका समाज व देश हित में कितना योगदान सिद्ध होगा कोई नही जानता किन्तु समाज हित के लिए जीवन का एक एक क्षण समाज व देश हित में समर्पित करने वाले को समाज उसे स्थापित कर देता है। एक इतिहासकार व साहित्यकार व सामाजिक चिंतक के रूप में डॉ. रामविलास भारती की बहुत सी पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। 05 फरवरी डॉ. भारती का जन्मदिन है इनके जन्मदिन को कोविड 19 व आचार संहिता का पालन करते हुए ब्लॉक घोसी अंर्तगत ग्राम धरौली में वहां के बच्चे व अभिभावकों द्वारा केक कटवाकर जन्मदिन को मनाया तो वहीं डॉ. भारती ने अपने जन्मदिन को लोकहित में तब्दील कर दिया। डॉ. भारती अपने वेतन से 15 पात्र बच्चों को 1200 रुपये वार्षिक जंगपपूरनी देवी बरखू शैक्षिक समृद्धि छात्रवृत्ति देते हैं जिससे कि किसी भी बच्चे की आर्थिक अभाव से स्नातक/परास्नातक तक पढ़ाई न छूटे और पढ़-लिख सके। साथ ही यह हर वर्ष लगभग चालीस बच्चों का शिक्षण संस्थानों में व्यक्तिगत धन लगाकर प्रवेश दिलाते हैं। तो वहीं आमजन के लिए जनपद में सार्वजनिक पुस्तकालयों का निर्माण करते हैं। जिससे कि आर्थिक रूप से कमजोर बच्चे व अन्य जन पढ़ सकें। इन्होंने अपने जन्मदिन पर बारह सौ रुपये की दर से सभी इन 15 बच्चों को हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी मास्क व छात्रवृत्ति के रूप में धनराशि दिया तो वहीं उनके साथ उनके अभिभावकों व कुछ श्रमिक वर्गों को मास्क देते हुए 7 मार्च को होने वाले मतदान में शतप्रतिशत मतदान करने हेतु जागरूक भी किया। पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए इनके द्वारा पौधरोपण का भी कार्य किया गया।

जौनपुर सदर विधानसभा से नदीम होंगे कांग्रेस के प्रत्याशी

प्रखर जौनपुर। जिले की सदर विधानसभा सीट से कांग्रेस नदीम जावेद को उम्मीदवार बनाने जा रही है। पार्टी आलाकमान मुस्लिम मतदाताओं की अधिक संख्या देखते हुए ये निर्णय लेने जा रही है। पार्टी के पदाधिकारी ये बताते हैं की उनके नाम की घोषणा होनी शेष है । नदीम जावेद 2012 में जौनपुर सदर विधानसभा से विधायक रह चुके हैं। नदीम के नाम पर लगेगी मुहर जौनपुर की सदर विधानसभा सीट में सातवें चरण में चुनाव होना है। कांग्रेस पार्टी सदर विधानसभा में मुस्लिम उम्मीदवार उतारने जा रही है। दरअसल सदर विधानसभा में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या अधिक है। ऐसे में पार्टी ने कई मुस्लिम चेहरों की प्रोफाइल को खंगाला था। पार्टी के पदाधिकारी बताते हैं कि आलाकमान ने नदीम जावेद का नाम लगभग फाइनल कर दिया है। इस मामले में औपचारिकता शेष है। सदर विधानसभा में कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष फैसल हसन तबरेज और पूर्व विधायक नदीम जावेद के नाम पर विचार कर रही थी। पार्टी के पदाधिकारी बताते हैं कि समिति की बैठक में विचार विमर्श के बाद नदीम जावेद के नाम पर मुहर लग गयी है। पार्टी अगली सूची में उनके नाम का ऐलान कर सकती है। ब्राह्मण मतदाता बिगाड़ सकते हैं सदर का समीकरण कांग्रेस भले ही पूर्व विधायक नदीम जावेद के सहारे मुस्लिम मतदाताओं पर डोरे डालने की फिराक में है। लेकिन टिकट के इस खेल में ब्राह्मण मतदाता कांग्रेस का खेल बिगाड़ सकते हैं। पार्टी की तरफ से विकेश उपाध्याय 'विक्की' लम्बे समय से विधानसभा में प्रचार प्रसार कर रहे हैं। ऐसे में ऐन वक्त पर पार्टी द्वारा नदीम जावेद के नाम पर ब्राह्मण मतदाता पार्टी से किनारा कर सकते हैं।

2012 में नदीम ने जीता था चुनाव- 2012 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सदर विधानसभा सीट से नदीम जावेद को प्रत्याशी बनाया था। मामूली अंतर से नदीम जावेद ने बसपा के प्रत्याशी को चुनाव हराया था। नदीम जावेद को 50,863 वोट मिले थे।

मतदाताओं को जागरूक करने हेतु क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

प्रखर जौनपुर। मतदाता जागरूकता के उद्देश्य से महेन्द्रा फर्स्ट च्वाइस द्वारा शिया कालेज के मैदान में मतदाता जागरूकता क्रिकेट टूर्नामेंट (35 आयु वर्ष प्लस) का आयोजन किया गया है। मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम प्रकाश ने फीता काट कर, बल्ले से गेंद खेलकर व मतदाता की शपथ दिलाकर टूनामेंट का शुभारंभ किया। आयोजक समिति के अध्यक्ष विवेक यादव व संरक्षक दुर्गेश सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस क्रिकेट टूर्नामेंट के आयोजन का उद्देश्य लोगों को चुनाव के महत्व व मतदाताओं को मतदान करने हेतु जागरूक, प्रेरित करना है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एडीएम राम प्रकाश ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शहरों की अपेक्षा जनपद जौनपुर में मतदान प्रतिशत बहुत कम रहा, इसलिए मैं जनपद वासियों से अपील करता हूं कि 7 मार्च को सभी मतदाता स्वयं मतदान करें तथा अन्य सभी मतदाताओं को मतदान करने हेतु जागरूक व प्रेरित करें। आगे उन्होंने कहा कि मजबूत लोकतंत्र के लिए सभी मतदाताओं की भागीदारी जरुरी है, इसलिए वोट के माध्यम से एक बेहतर सरकार बनाने में अपनी भूमिका भी हर मतदाता निभा सकते हैं। विशिष्ठ अतिथि जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने कहा कि वोट देना अधिकार भी है और कर्तव्य भी है। अपने अधिकार का प्रयोग करना है और प्रदेश के विकास, अपने बच्चों के भविष्य व सुरक्षा के लिए अपने कर्तव्य का भी निर्वहन करना है। उदघाटन मैच महेन्द्रा टाइकोन और दर्पण क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए दर्पण टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 112 रन बनाए। जवाब में महेन्द्रा टाइकोन ने 13 ओवरों में ही 1 विकेट के नुकसान पर 113 रन बनाकर मैच जीत लिया। दुर्गेश जायसवाल ने 46 रन बनाए तथा मैन आफ द मैच दुर्गेश सिंह ने 42 रन बनाए व दो विकेट लिए। कमेन्ट्री सलमान शेख ने किया। सचिव अरुण राय ने आभार व्यक्त किया।

महाराजा सुहेलदेव वीर योद्धा और महान समाज सुधारक थे- डा. उमेश सरोज

मुहम्मबाद गोहना, मऊ। महाराजा सुहेलदेव की जयंती शनिवार को मुहम्मदाबाद गोहना तहसील क्षेत्र के देवसीपुर और खलीसा गांव में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. उमेश सरोज ने महाराजा सुहेलदेव को महान समाज सुधारक, वीर योद्धा, और सामाजिक एकता का सूत्रधार बताया। कहा कि महाराजा सुहेलदेव का जन्म 990 ईसवी को श्रावस्ती जनपद में हुआ था। उनके पिता का नाम मोरध्वज था। ऐसा माना जाता है कि बसंत पंचमी के दिन उनका जन्म हुआ था और इसी दिन उनकी जयंती मनाई जाती है। उन्होंने कहा कि सुहेलदेव की अनेक वीर गाथाएं हैं उनका साम्राज्य श्रावस्ती से लेकर पूर्व में गोरखपुर और पश्चिम में सीतापुर जनपद फैला हुआ था। इस दौरान उन्होंने मुहम्मद गजनबी के भांजे गाजी सैयद सालार मसूद से 1034 ईस्वी में से लड़ाई लिया। कहा कि इस दौरान महाराजा सुहेलदेव ने 21 पासी जाति के राजाओं को मिलाकर जीत हासिल किया। बताया कि सुहेलदेव की जीत के बाद गाजी सालार की कुछ दिन बाद मौत हो गई और उसे बहराइच में दफन कर दिया गया जिसकी देवा शरीफ में आज भी मजार है। सुहेलदेव का साम्राज्य बहराइच श्रावस्ती से लेकर सीतापुर, लखीमपुर, बाराबंकी और लखनऊ तक फैला था। कहा कि ऐसे महापुरुष के जयंती पर हम इकट्ठे होकर उनके बताए हुए मार्ग पर चलें जिससे समाज में सामाजिक एकता और समरसता बनी रहे कार्यक्रम में प्रमुख रुप से ओमकार सिंह मुन्ना, धर्मेंद्र सिंह, छद्दू सिंह राकेश चैहान, धीरेंद्र सरोज, अंकित सरोज, मुकेश चैहान समेत दर्जनों लोग शामिल रहे।

जनता का ध्यान मुद्दों से भटका रही है भाजपा- दूधनाथ यादव

मऊ। समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक शनिवार को जिलाध्यक्ष दूधनाथ यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय पर हुई। बैठक में 2022 के विधानसभा चुनाव, विधानसभा परिषद स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र आजमगढ़-मऊ के चुनाव में पार्टी को जीताने की रणनीति पर चर्चा हुई। जिलाध्यक्ष दूधनाथ यादव ने कहाकि समाजवादी पार्टी के सामने आज बड़ी चुनौती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में आज प्रदेश में जो लहर चल रही है उसका किसान से लेकर नौजवान, कर्मचारी, बुनकर, महिला, ब्यापारी सभी समर्थन कर रहे हैं परंतु बीजेपी तरह तरह के साजिश रचकर चुनाव को सांप्रदायिक मुद्दों पर लाना चाहती है। पिछले पांच सालों में पहली बार ऐसा चुनाव हो रहा है जब जिम्मेदार संस्थाएं सत्ता पक्ष से उसके घोषणा पत्र पर सवाल नहीं कर रही हैं, और जनता को भी विभिन्न मुद्दों से ध्यान भटका रही हैं। कहाकि आज शिक्षा रोजगार का प्रदेश में बड़ा सवाल है और जनता अखिलेश यादव को दुबारा मुख्यमंत्री बनाकर प्रदेश में खुशहाली लाना चाहती है। इसलिए जनपद के सभी पदाधिकारी, नेतागण साथी एक महीने के लिए पार्टी के हित में अपना समय देकर अपने साथ प्रदेश के भविष्य की नींव रखें अन्यथा आने वाली पीढ़ियां आपको माफ नहीं करेगी। पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मप्रकाश यादव ने कहाकि जैसा कि पार्टी ने पहले से ही चुनाव की हर योजना तैयार कर लिया है। समय आ गया कि उस पर चलकर हर बूथ को जीतने का प्रयास किया जाय ताकि आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष को दोबारा मुख्यमंत्री बनाया जा सके। बैठक में मुख्य रूप से जिला महासचिव कुद्दूस अंसारी, जिला उपाध्यक्ष दिनेश यादव गुड्डू, पूर्व प्रमुख राजकुमार यादव, गंगा चैहान, रामधानी चैहान, लालधर यादव, धीरज राजभर, दिलीप पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में दंपती समेत चार घायल, दो की हालत गंभीर, रेफर

बलरामपुर (आजमगढ़)। जिले के मुबारकपुर, रौनापार और अतरौलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत पिछले 24 घंटे में हुए सड़क हादसे में दंपती समेत चार लोग घायल हो गए। जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से सीएचसी में भर्ती कराया। जहां सभी की हालत गंभीर देखते हुए डाक्टर ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। मुबारकपुर थाना के सुराही गांव निवासी विपत्ति (60) अपनी पत्नी मुनाकी (55) को शुक्रवार की शाम साइकिल से सीएचसी से दवा दिलाकर घर लौट रहे थे। मुबारकपुर थाना क्षेत्र के सुराही चट्टी के पास सामने से आ रहे चार पहिया वाहन के टक्कर से घायल हो गए। उधर, रौनापार थाना क्षेत्र के अराजी देवारा करखिया तुलसी का पुरा गांव निवासी मनोज यादव (18) पुत्र रामशब्द शुक्रवार की रात बाइक से बाजार से सामान लेकर घर वापस लौट रहे थे कि रौनापार थाना क्षेत्र अंतर्गत बाढू का पुरा के पास सामने से आ रही पिकअप ने टक्कर मार दी। जबकि अतरौलिया थाना क्षेत्र के अकबेलपुर गांव निवासी पलकधारी (50) पुत्र विश्वेश्वर शनिवार की सुबह बाइक से मजदूरी करने के लिए जा रहे थे।

असदुद्दीन ओवैसी पर हुए जानलेवा हमले को लेकर सौंपा ज्ञापन

घोसी, मऊ। आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी पर हुए जानलेवा हमले को लेकर आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के कार्यकताओं ने शनिवार को पार्टी की यूथ विंग के जिलाध्यक्ष फैज अहमद के नेतृत्व में घोसी तहसील मुख्यालय पहुंचकर महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित एक पांच सूत्रीय मांग पत्र उपजिलाधिकारी की अनुपस्थिति में नायब तहसीलदार राघवेश मणि त्रिपाठी को सौंपा। सौपे गए ज्ञापन में राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी को जेड प्लस व प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली को वाई प्लस की सुरक्षा प्रदान करने के साथ साथ इस गोलीकांड में शामिल हमलावरों व षड्यंत्रकारियों पर यूएपीए के तहत कारवाई करने की मांग की गई है। ज्ञापन सौंपने के दौरान बेलाल खान, शादाब खान, अनीस अहमद, मो.गनी, मासूम अली, दिलशाद खान, आदिल अंसारी, जावेद अख्तर, इस्लामुल्लाह अंसारी, शाबिर शम्सी, ओम प्रकाश राव, मुर्शीद खान आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ट्रैक्टर ट्राली पलटने से एक की मौत, एक गंभीर घायल

माता धाम से दर्शन करके ट्रैक्टर ट्राली से आ रहे थे श्रद्धालु

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के अहरौरा जमुई मार्ग पर स्थित भगौतीदेई घाटी में रविवार की सुबह ट्राली को ट्रैक्टर में फंसाने का जोका टूट जाने से ट्राली असंतुलित होकर पलट गई जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई वही एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया । ट्रैक्टर ट्राली में कई महिलाएं एवं पुरुष सवार थे । जानकारी के अनुसार स्थानीय थाना क्षेत्र के बन इमिलिया गांव से कुछ लोग अपने परिवार के साथ ट्रैक्टर ट्राली से दर्शन करने के लिए माता धाम गए हुए थे माता धाम से दर्शन करके रविवार की भोर सभी अपने घर लौट रहे थे कि अचानक अहरौरा जमुई मार्ग पर स्थित भगौतीदेई घाटी में ट्राली को ट्रैक्टर में फंसाने वाला जोका टूट गया जिससे ट्राली असंतुलित होकर सड़क के किनारे पलट गई । यह देख आसपास के लोग दौड़ पड़े और घायलों को किसी तरह बाहर निकाल कर पुलिस को सूचना दिया मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल मलखान राम उम्र 50 वर्ष पुत्र लल्लू निवासी बहेरा थाना चुनार मीरजापुर एवं सुरेश राम उम्र 30 वर्ष पुत्र लालव्रती निवासी वनइमिलिया थाना अहरौरा को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अहरौरा भेजवाया जहां चिकित्सकों ने मलखान राम को मृत घोषित कर दिया । वही गंभीर रूप से घायल सुरेश को ट्रामासेण्टर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया। ट्रैक्टर सवार अन्य लोग सुरक्षित है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण हेतु भेज दिया । थानाध्यक्ष ने बताया कि ट्रैक्टर ट्राली में सवार अन्य लोगों को दूसरे साधन से उनके घरों को भेज दिया गया है जबकि घायल को बेहतर इलाज के लिए ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है वहीं मृतक के शव को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण को भेजा गया है । बताया जाता है कि मृतक मलखान राम को पांच लड़कियां एक लड़का है इसका पालन पोषण मलखान द्वारा ही किया जाता था गरीब परिवार होने के कारण जमीन भी काफी कम है ।

लोकतंत्र को मजबूत करने व मतदान करने का लिया संकल्प

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में रविवार को सामाजिक संस्था अभ्युदय सेवा समिति के तत्वाधान में स्वस्थ्य लोकतंत्र और मतदान पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें वक्ताओं ने एक स्वस्थ्य लोकतंत्र के महत्व पर प्रकाश डाला औ 7 मार्च को होने वाले मतदान में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेने का आह्वान किया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने कहाकि लोकतंत्र के इस महापर्व में अपने मत का प्रयोग कर हमे अपनी शक्ति को दिखाने का एक ऐसा हथियार है जिससे स्वस्थ्य लोकतंत्र का निर्माण होगा। इस दौरान वक्ताओं ने संस्था द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यो की प्रशंसा की। संगोष्ठी के दौरान चौथे लोकतंत्र के रूप में समाज मे स्थापित पत्रकारों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्षता प्रधानाध्यापक डॉ कुँवर पंकज सिंह, संचालन धनंजय सिंह व धन्यवाद अमिताभ दूबे ने दिया। इस अवसर पर गजेंद्र सिंह, सतेंद्र पाठक, भानुकान्त पांडेय, प्रशान्त त्रिपाठी, कृष्णमोहन बंगा, संजय गुप्ता, पंधारी वर्मा, रामजियावन गुप्ता, हेमन्त दुबे समेत अनेक पत्रकार व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आमजन को जहरीली शराब नहीं पीने को चेताया

प्रखर केराकत जौनपुर। आदर्श आचार संहिता और आगामी विधान सभा चुनाव के मद्देनजर रविवार को दोपहर प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण पर्वत ने अपने हमराहियों के साथ क्षेत्र के ग्राम शहाबुद्दीनपुर और पचवर स्थित ईंट भट्ठे पर काम कर रहे क्षेत्रीय मजदूरों को जहरीली शराब न पीने के साथ ही नही बनाने के लिये चेताया।

गौरतलब है कि ईंट भट्ठों पर काम करने वाले क्षेत्रीय मजदूरों को चेताते हुए कहा कि यदि आपको कोई चुनाव के दिन अपने पक्ष में मतदान करने के लिये शराब पीने को देता है तो कदापि उसे न पीयें। वही प्राथमिक विद्यालय लकठेपुर, बलईपुर, मटियारी और मीरपुर में ग्रामीणों के साथ बैठक कर शांति प्रिय वातावरण में मतदान को सम्पन्न कराने में अपनी अपनी भूमिका का निर्वाह करने को कहा। अपराध और अपराधियों पर अंकुश लगाने और संवेदनशील के बारे में भी ग्रामीणों से बिन्दुवार जानकारी जुटाया। इस अवसर पर हेडकांस्टेबल अनिल सिंह, जयचन्द यादव और पुष्पक उपस्थित रहे।

नेशनल हाईवे अथॉरिटी के खिलाफ नागरिकों ने गंदा पानी में खड़ा होकर किया प्रदर्शन -नेशनल हाईवे 7 पर महीनों से बह रहा है सीवर का गंदा पानी

प्रखर रामनगर वाराणसी। आज दिनांक 6 फरवरी 2022 को संत फ्रांसिस स्कूल के पास नेशनल हाईवे सेवेन पर सीवर के गंदा पानी बहने से नाराज नागरिकों ने भाजपा सभासद संतोष शर्मा के नेतृत्व में गंदा पानी में खड़ा होकर किया प्रदर्शन। अति शीघ्र निस्तारण करनेकी की मांग। भाजपा सभासद संतोष शर्मा का कहना था कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी के द्वारा सड़क मार्ग को चौड़ीकरण करते समय सीवर लाइन को तोड़ दिया गया था जोकि आज तक उसी हाल में टूटा हुआ पड़ा है। सीवर का गंदा पानी नेशनल हाईवे 7 पर बह रहा है गंदा पानी मुख्य मार्ग पर बहने से आने जाने वाले राहगीरों को बड़ी फजीहत का सामना करना पड़ रहा है लोग उसी गंदे पानी से गुजर रहे हैं। वही मुख्य मार्ग के किनारे एक प्राइवेट इंटर कॉलेज भी है उसी गंदे पानी से होकर छात्र-छात्राएं एवं गार्जियन स्कूल के अंदर प्रवेश करते हैं यह बड़े शर्म की बात है। कई बार संबंधित अधिकारियों को बताने के बावजूद भी इस सीवर लाइन को दुरुस्त नहीं कराया गया। संबंधित अधिकारियों के कानों में जू तक नहीं रेंग रहा है। स्थानीय जनता पस्त अधिकारी मस्त हैं।

भाजपा सभासद संतोष शर्मा ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी के अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर अति शीघ्र सीवर लाइन को दुरुस्त नहीं कराया गया तो स्थानीय नागरिकों के साथ उग्र प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे। प्रदर्शन में मुख्य रूप से भाजपा सभासद संतोष शर्मा पूर्व सभासद पति राकेश बघेल अजीत कुमार प्रजापति अर्जुन जयसवाल प्रहलाद साहनी शालू आदि लोग थे।

दौड़ प्रतियोगिता में विधायक ने लिया भाग, बच्चों का किया उत्साहवर्धन

प्रखर वाराणसी। सेवापुरी विधानसभा के ग्रामसभा दिलावलपुर के श्री राम चरित मानस जू०मा० स्कूल में स्व०आशीष सिंह के स्मृति में, दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन भविष्य की कामना की तथा बच्चों ने फूल- माला पहनाकर विधायक का स्वागत किया । जिसमें मुख्य अतिथि रूप में सेवापुरी विधायक नील रतन सिंह पटेल "नीलू" ,जिला

किया गया जिसमें 200 मीटर बालक और बालिका के साथ साथ रेस का भी आयोजन किया गया जिसमें सेवापुरी विधायक ने प्रतियोगिता में भाग लिए बच्चों का उत्साहवर्धन किया तथा बच्चों के उज्वल उपाध्यक्ष बीजेपी सुरेश सिंह, मोनू सिंह, राजनारायण यादव, विधायक प्रतिनिधि रामबिलास पटेल ,मिडिया प्रभारी मुन्ना खान क्षेत्र के सम्मानित लोग बच्चे इत्यादि लोग उपस्थित रहे ।

हर्सोल्लास के साथ संपन्न हुआ बाबा विंश्वनाथ का तिलकोत्सव, महंत परिवार ने निभाई परंपरा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बसंत पंचमी के अवसर पर बाबा विश्वनाथ का तिलक धूमधाम से सम्पन्न हुआ` श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य महंत श्री गुड्डू महाराज ने तिलकोत्सव सम्पन्न कराया, महंत परिवार द्वारा पुस्तैनी परंपरा का निर्वहन किया गया साथ ही महाहाशिवरात्री कि तैयारियों पर भी जोर दिया गया` इस अवसर पर श्री गुड्डू महाराज,भानू महाराज,राजेश भूषण, रत्न भूषण त्रिपाठी, उदय शंकर त्रिपाठी, भाजपा प्रवक्ता रीता सिंह एवम भोपाल, महाराष्ट्र,बंगाल, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल एवम आंध्रप्रदेश से लाखों की संख्या में भक्तगण के साथ काशिवशियो ने भी सदियों पुरानी परंपरा में मुख्य भूमिका निभाई।

यूपी चुनाव में भोजपुरी गानों की एंट्री से सियासत गर्म

'यूपी में सब बा'व यूपी में का बा की मची होड़, सोशल मीडिया से निकलकर राजनीति दलों के दफ्तरों तक पहुँची 'यूपी में का बा'

प्रखर केराकत जौनपुर (विनोद कुमार)। भोजपुरी सिनेमा अपने अंदाज को लेकर देश भर में लगातार सुर्खियों में बना रहता है देश मे बड़ी से बड़ी घटना हो या फिर सरकार की नई घोषणा हो चंद घंटों बाद भोजपुरी अंदाज में गाना गाकर दर्शको का मनोरंजन करने में भोजपुरी इंडस्ट्रीज काफी सफल रहती हैं ऐसा ही एक भोजपुरी गाना" यूपी में का बा"पहले बिहार की राजनीति में छाये और अब उत्तर प्रदेश की सियासत में हल्ला बोल रहे है।पक्ष विपक्ष अपने मुतावित गानो को अपने पक्ष में भुनाने की काम कर रहे हैं।अब नेहा सिंह राठौर की आवाज सोशल मीडिया ने निकलकर राजनीति दलों के दफ्तरों तक पहुँची गयी हैं ऐसा हम इसलिए कह रहे है कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश सिंह यादव के प्रेस कॉन्फ्रेंस में "यूपी में का बा" कि धुन सुनाई दी।जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ।

बता दे कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का विगुल बजते ही सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गयी हैं सियासी पार्टियो में टिकट को लेकर घमासान मचा हुआ है।ऐसे में यूपी चुनाव में भोजपुरी गानो के जरिये प्रदेश की सियासत को एक अलग ही मोड़ दिया जा रहा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने रवि किशन की उपस्थिति में "यूपी में सब बा" गाने को रिलीज किया।सोशल मीडिया पर इसका टीजर और पोस्टर पहले से छाया हुआ है इस गीत में उत्तर प्रदेश की उपलब्धियो के बारे में बताया गया है कि "जे कब्बो ना रहल उ अब बा,यूपी में सब बा" इस गाने के जवाब में भोजपुरी गायिका नेहा सिंह राठौर ने "यूपी में का बा"गाना गाकर प्रदेश सरकार पर तंज कसते हुए कहती हैं कि "मंत्री का बेटुवा बड़ी रंगदार बा, किसानन कै छाती पे रौंदत मोटर कार बा, अई चौकीदार, बोले के जिम्मेदार बा?"गाना रिलीज होते ही प्रदेश की राजनीति में घमासान मच गया। राजीनीतिक पार्टियां गाने को लेकर एक दूसरे पर पलटवार करने में जुट गई। यूपी चुनाव में भोजपुरी गानो की एंट्री प्रदेश में ही नही बल्कि देश के हर कोने कोने में छाया हुआ है।हर किसी की पहली पसंद बना हुआ है हर राजनैतिक पार्टियां अपने अपने तरीको से भोजपुरी गानो का सहारा लेकर मतदाताओं को लुभाने का प्रयास कर रही हैं।सबसे बड़ा सवाल क्या यूपी चुनाव में राजनैतिक पार्टियां भोजपुरी गानो के सहारे जनता का दिल जीतकर सत्ता की चाभी हथियाने में कामियाब रहेंगी ?भोजपुरी गानो की एंट्री यूपी के चुनाव में कितना असर डालेगा ये तो आने वाले 10 मार्च को मालूम हो जायेगा बहरहाल ये जनता है सब जानती है।

एमएलसी चुनाव में ग्राम प्रधान संघ जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने बृजेश सिंह को मतदान करने का किया ऐलान

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। एमएलसी चुनाव को लेकर ग्राम प्रधान संघ जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने ग्राम चक्का हरहुआ में 6 फरवरी रविवार को जिला पदाधिकारी व ब्लॉक अध्यक्षों के साथ बैठक संपन्न हुआ राष्ट्रीय पंचायती राज प्रधान संगठन ने एमएलसी चुनाव पर वाराणसी जिला के आठों ब्लॉक अध्यक्षों के साथ जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने बैठक किया। बैठक में एमएलसी चुनाव को लेकर चचाएं हुई जिसमें संगठन के ब्लॉक अध्यक्षों का कहना था, जिलाध्यक्ष महोदय हमारे वोट से एमएलसी चुने जाते हैं तो आप हम लोगों को दिशा निर्देश दिजिये कि जिले के समस्त प्रधान कीसी एक प्रत्याशी को मतदान करें जिले का महामंत्री मधुबन यादव ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि जिला अध्यक्ष महोदय वाराणसी चंदौली में तीनों जिला अध्यक्षों से बात करके मतदान एक प्रत्याशी को कराया जाए।

राष्ट्रीय पंचायती राज प्रधान संगठन के जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने कहा कि संगठन का एक अनुशासन पहचान है, अनुशासन में रहकर हम लोग मतदान करेंगे।तीनों जिला अध्यक्षों से फोन द्वारा मतदान करने के संदर्भ में बात हो चुका है, सभी से एक साथ एक प्रत्याशी को मतदान करने का अपील की गई है। जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने सभी ब्लॉक अध्यक्षों व ग्राम प्रधानों से कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए बृजेश सिंह को भारी मतों से विजई बनाये जिससे संगठन को मजबूती मिल सके। जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने कहा कि बहुत जल्द ही बृजेश सिंह के साथ ऑठो ब्लॉक अध्यक्षों को लेकर मिलेंगे, जिसमें गांव सभा में विकास के कार्य के लिए जिला अध्यक्ष के माध्यम से ब्लॉक अध्यक्ष अब तक किया जाएगा। ब्लॉक अध्यक्षों के माध्यम से ग्राम सभा तक पहुंचाई जाएगी। इससे प्रधान संघ की मयार्दा बनी रहेगी। बहुत जल्द ही बृजेश सिंह से मिलकर वार्ता किया जाएगा। बैठक में उपस्थित जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह, महामंत्री मधुबन यादव, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश सिंह, जिला उपाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, बिछू राम चौहान, ब्लॉक अध्यक्ष नितिन सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष लाल बहादुर पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष लालमन यादव, ब्लॉक अध्यक्ष रामसूरत यादव, ब्लॉक अध्यक्ष श्वेता राय, ब्लॉक अध्यक्ष राजू तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष अनिल चौबे, ब्लॉक सचिव मंगला प्रसाद दिन तमाम प्रधान साथी उपस्थित रहे।

हिंदू युवा वाहिनी ब्लॉक ईकाई की हुई बैठक

मुफ़्तीगंज जौनपुर (प्रखर पूर्वांचल)। क्षेत्र के मुफ़्तीगंज बाजार में हिन्दू युवा वाहिनी ब्लॉक इकाई की बैठक आशुतोष सिंह अंशु की अध्यक्षता आयोजित की गई।बैठक में संगठन के मजबूती को लेकर चर्चा करने के साथ प्रदेश में एक बार फिर भारतीय जनता लोगो को अपना बूथ मजबूत करने के साथ साथ प्रदेश की उपलब्धियों को घर घर जाकर बताने की जरूरत है। मुख्य अतिथि अम्बरिश सिंह भोला जिलाध्यक्ष अनिल दुबे ब्लॉक प्रभारी विशाल सिंह सनी रहे ' इस अवसर पर ब्लॉक संयोजक विक्रम सिंह,उपाध्यक्ष आशुतोष

पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने को लेकर मंथन किया गया मुख्य अतिथि बैठक में पहुँचे अमरीश सिंह भोला ने कार्यकताओं में जोश भरते हुए बताया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार प्रदेश का सर्वांगीण विकास के साथ प्रदेश को एक अलग पहचान दी है उन्होंने बताया कि प्रदेश में दोबारा बीजेपी की सरकार बनाने जा रही हैं हम चौहान,आलोक गुप्ता,महामंत्री विशाल कुमार,मंत्री प्रियांशु सिंह,सौम्या प्रताप सिंह,रामब्रिज,चंद्रभान, कार्यकारिणी सदस्य रामकृष्ण गिरी,राकेश पाल, विजय विश्वकर्मा,संजय अग्रहरि,दिनेश खैरवार, रोहित राय,निलकमल, निलेश कुमार,आशीष पाल,निलेश सिंह,आकाश गिरी,रोशन पाल,रिंकू यादव,रूपेश मोदनवाल मित्रगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

स्वर कोकिला भारत रत्न लता मंगेशकर के निधन पर शोक

प्रखर जलालपुर जौनपुर। क्षेत्र के त्रिलोचन महादेव बाजार निवासी भोजपुरी फिल्म अभिनेता चन्दन सेठ ने बताया कि स्वर कोकिला,'भारत रत्न' आदरणीया लता मंगेशकर जी का निधन अत्यंत दुःखद और कला जगत की अपूरणीय क्षति है। चन्दन ने कहा कि भारत में संगीत का एक युग समाप्त हुआ। उनकी विरासत हमेशा जिंदा रहेगी। लता जी हमारे दिलों में वो जगह रखती हैं जो कोई और नही ले सकता। उनके गीतों ने दुनिया के लाखों दिलों को छुआ।उनकी आवाज हमेशा हमारे दिलों पर राज करेंगी। आने वाली पीढ़ी हमेशा उन्हे याद करेगी। चन्दन ने कहा उनके योगदान को शब्दों में पिरो नही सकते। उनकी आवाज प्रशंसको के दिलों में हमेशा गुजती रहेगी।

सपा नेता आर के प्रसाद को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया

प्रखर वाराणसी। समाजवादी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय कमेटी में पूर्व वाणिज्यिक कमिशनर , बसपा में कोर्डिनेटर रहे सपा नेता आर के प्रसाद को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है । अपने मनोनयन पर नवनियुक्त राष्ट्रीय सचिव आर के प्रसाद ने कहा संगठन ने एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है उसका पूर्णतया निर्वहन करूंगा । दलित , शोषित और वंचित समाज में जाकर उन्हें संगठन के नीतियों से जोड़ने का काम करूंगा । आर के प्रसाद को राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर पूर्व मंत्री मनोज राय धूपचंडी , जिलाध्यक्ष सुजीत यादव उर्फ लक्कड़ ,महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा , समाजवादी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी महानगर अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव , युवजनसभा प्रदेश सचिव वरुण सिंह , राष्ट्रीय सचिव बबिता भारती , संजय यादव , शिक्षक सभा महानगर अध्यक्ष आलोक गुप्ता , मजदुर सभा महानगर अध्यक्ष जितेन्द्र मौर्या ने प्रसन्नता व्यक्त किया ।

स्वर कोकिला लता मंगेशकर के निधन पर समाजवादी पार्टी ने शोक व्यक्त किया

प्रखर वाराणसी। स्वर कोकिला भारत रत्न आदरणीया लता मंगेशकर जी के निधन पर समाजवादी पार्टी ने गहरा शोक वक्त करते हुए उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर शोक संवेदना व्यक्त किया । समाजवादी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव सत्यप्रकाश सोनकर ने कहा अब यह सुरीली आवाज विश्व नही सुन पाएगा । युवजनसभा प्रदेश सचिव वरुण सिंह ने कहा देश के करोड़ों स्वर संगीत प्रेमियों के लिए आदर्श लता जी का जाना राष्ट्र के लिए कभी न भरे जानी वाली छती है । बाबा साहब वाहिनी राष्ट्रीय सचिव आर के प्रसाद और राष्ट्रीय सचिव बबिता भारती ने कहा भारत रत्न लता जी ने अपने आवाज से फिल्म जगत को जो ऊंचाई प्रदान किया है उसे आजीवन भुलाया नही जा सकता । बाबा साहब वाहिनी महानगर अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव ने कहा देश ने आज अपना अमनोल हीरा को दिया है । श्रद्धांजलि सभा में प्रमुख रूप से सत्यप्रकाश सोनकर , वरुण सिंह , आर के गौतम , बबिता भारती , वीरेन्द्र यादव , बाबू सोनकर , शिक्षक सभा महानगर अध्यक्ष आलोक गुप्ता , रवि कुमार बिंद उर्फ भानु , नीरज सेठ , अशरफ खां , बाबा अली , संदीप चौरसिया , राहुल कुमार , जुहैर हसन , विवेक शाही मौजूद रहे ।

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी हार की आशंका- रविशंकर सिंह

प्रखर पिंडरा वाराणसी। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री पर विवादित बयान देने के मामले में पिंडरा से कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय के खिलाफ फूलपुर थाने में शनिवार को राजद्रोह का मुकदमा दर्ज किया गया। पिंडरा ब्लाक प्रमुख संरक्षक भाजपा नेता रविशंकर सिंह ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व विधायक अजय राय का प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी उनके हताशा एवं हार की आशंका को दशार्ता है।विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हालत खराब है और इससे कांग्रेसी नेता बौखला गए हैं। जब भी कांग्रेस को लगता है कि वो चुनाव में जीत नहीं पाएगी तो उसके नेता इसी तरह आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है। विकास के दम पर 2022 में पुनः भाजपा की सरकार बनेगी।

सड़क का निर्माण पुर्ण होने से पहले ही शिलापट्ट उखाड़ा

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। जमालपुर थाना क्षेत्र के बियार भाई मार्ग पर यह शिलापट्ट बियार भाई मार्ग से डूही कलां को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग पर लगा था। २०-२२ लाख की लागत से बनने वाले इस पांच सौ मीटर लंबे मार्ग के लिए मा० केशव प्रसाद मौर्य जी के नाम से शिलान्यास का शिलापट्ट लगाया गया था,लेकिन सड़क निर्माण के पुर्व ही यह शिलापट्ट उखड़ गया। स्थानीय लोगों से पूछने पर पता चला कि रात्रि के समय किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चार पहिया वाहन को बैक करते समय धक्का लग जाने से शिलापट्ट उखड़ गया तथा शिलापट्ट का पत्थर भी कई टुकड़ों में टूट गया। शायद पत्थर के टुकड़ों को आस पास के लोग उठा ले गए।संबंधित विभाग के कर्मचारियों को अवगत करा दिया गया है, शायद शिलापट्ट को पुनः लगाने की कोशिश की जा रही है।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होंगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं